कोटद्वार, रविवार
15 जून 2025
वर्ष: 47
अंक: 52 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

गौवंशीय पशु मांस के साथ आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर। गौवंश स्क्वाड टीम ने 14 किग्रा गौवंशीय मांस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गौवंश स्क्वाड टीम के प्रभारी प्रवीण सिंह, प्रमोद कुमार, नीरज शर्मा, राज कुमार ने मुखविर की सूचना पर शुक्रवार को बाईपास कॉलोनी के एक घर में दबिश दी। मौके पर एक व्यक्ति इलेक्ट्रानिक तराजू में मांस तोल रहा था। मौके से उपकरण भी बरामद हुए। आरोपी ने अपना नाम मुस्तफा पुत्र मो़ युनुस निवासी बाईपास कालोनी वार्ड नं 12 बताया। आरोपी ने बताया कि वह इस मकान में किराए पर रहता है। मकान मालिक दिल्ली में रहते है। वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी जितेन्द्र गुप्ता ने प्राथमिक जांच के बाद बताया कि बरामदा गौ वंशीय पशु का मांस है।

सेम्पल लेकर प्रयोगशाला को भेजा गया। पुलिस ने मुस्तफा को गिरफ्तार कर लिया।

नैनीताल में बीएलओ ड्यूटी करेंगे शिक्षक

हल्द्वानी। नैनीताल जिले में पंचायत चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन इस बीच प्रशासन के एक फैसले ने स्कूलों की पढ़ाई पर संकट खड़ा कर दिया है। जिला प्रशासन ने पंचायत चुनाव के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की ड्यूटी के लिए शिक्षकों के नाम मांगे हैं। प्रभारी मुख्य शिक्षाधिकारी ने जिले के सभी ब्लॉकों से शिक्षकों की जानकारी मांगी है। अनुमान है कि इस ड्यूटी के लिए 500 से अधिक शिक्षकों को तैनात किया जा सकता है। अभी इससे कुछ स्कूलों में पढ़ाई पर असर पड़ सकता है। पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार करने और अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए बीएलओ की भूमिका अहम होती है। प्रभारी मुख्य शिक्षाधिकारी पुष्कर लाल टम्टा ने सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर शिक्षकों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

रकसिया से 386 और देवखड़ी नाले से ध्वस्त होंगे 206 अतिक्रमण

हल्द्वानी। डीएम वंदना सिंह के निर्देश पर बनीं संयुक्त समिति की रिपोर्ट के बाद शहर के कालसिया, रकसिया व देवखड़ी नालों पर अवैध अतिक्रमण को हटाया जाएगा। संयुक्त समिति ने तीनों नाला क्षेत्रों में ड्रोन व जीआईएस मैपिंग के माध्यम से अतिक्रमण को चिह्नित किया है। सभी को नोटिस जारी कर 15 दिन में खुद से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है। नहीं हटाने पर एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि समिति में राजस्व विभाग, नगर निगम, लोनिवि, वन, सिंचाई, भूवैज्ञानिक विशेषज्ञ तथा जीआईएस विश्लेषकों को शामिल किया गया है। समिति से जुड़े विभागों ने ड्रोन, जीआईएस मैपिंग व राजस्व अभिलेखों की विस्तृत समीक्षा के बाद अतिक्रमण को चिह्नित किया है। सर्वे में रकसिया नाले में 386 व देवखड़ी नाले में 206 अतिक्रमण चिह्नित किए गए। अनेक स्थानों पर नालों के प्राकृतिक प्रवाह को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया गया है। जिससे बाढ़ व जलभराव का खतरा बढ़ गया है। साथ ही अतिक्रमण वाले क्षेत्रों में कचरा व मलबा जमा होने से जल निकासी बाधित हो रही है। यह स्थिति सार्वजनिक परिसंपत्तियों व पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही है।

ऊर्जा निगम के ट्रांसफार्मर और रेस्टोरेंट के सिलेंडर में आग लगी

हरिद्वार। धर्मनगरी में शनिवार को आर्य नगर चौक पर ट्रांसफार्मर में आग लग गई। इस दौरान क्षेत्र की बिजली आपूर्ति दो घंटों तक ठप रही। साथ ही सुभाषनगर के एक रेस्टोरेंट में रखे सिलेंडर में आग लग गई। दमकल टीम ने दोनों जगहों पर आग को काबू किया। शनिवार को आर्य नगर चौक पर ऊर्जा निगम के एसडीओ कार्यालय के बाहर स्थापित ट्रांसफार्मर में आग लग गई। इस दौरान कार्यालय और सड़क पर अफरा तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच फायर टीम ने आग को काबू किया। एसडीओ शिल्पी ने बताया कि समय राहत आग को काबू कर लिया गया। करीब दो घंटे क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बाधित रही। वहीं, सुभाषनगर पीएसी गेट के समाने केदारनाथ फास्ट फूड एंड रेस्टोरेंट में रखे गैस सिलेंडर में आग लग गई।

भारतीय सेना को मिले 419 जांबाज अधिकारी, 9 देशों के 32 कैडेट्स भी पास

●आईएमए राष्ट्र के भावी रक्षकों का करती है निर्माण : श्रीलंका सेना प्रमुख ●आईएमए देहरादून में श्रीलंका सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल लासांथा रोड्रिगो ने 156वें पासिंग आउट परेड की समीक्षा की

देहरादून : देहरादून की भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में शनिवार को पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। परेड में 451 कैडेट्स पास आउट हुए, जिसमें 419 भारतीय और 9 मित्र देशों के 32 कैडेट्स शामिल थे। आईएमए में गहन प्रशिक्षण के बाद अब सभी भारतीय कैडेट्स सेना में अधिकारी बन गए हैं। पासिंग आउट परेड के मुख्य अतिथि के रूप में श्रीलंका की सेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीके जीएम लसंथा रोड्रिगो मौजूद रहे। जनरल रोड्रिगो ने आईएमए के आदर्श वाक्य का उल्लेख करते हुए तीन मूलभूत जिम्मेदारियों पर बल दिया, राष्ट्र के प्रति, अपने सैनिकों के प्रति और वीर जवानों के परिवारों के प्रति। उन्होंने सैनिक के चार आधारभूत मूल्यों, अनुशासन, ईमानदारी, निष्ठा और सम्मान को सफलता की कुंजी बताया। श्रीलंका सेना प्रमुख ने कहा कि आईएमए न केवल सैनिकों को प्रशिक्षण देती है, बल्कि राष्ट्र के भावी रक्षकों का निर्माण करती है। उन्होंने कैडेट्स से विवेकपूर्ण नेतृत्व करने, सत्य और न्याय के लिए संघर्ष करने तथा राष्ट्र की आशाओं को गर्व पूर्वक आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), देहरादून में शनिवार को 156वें पासिंग आउट परेड का भव्य आयोजन हुआ। इस गरिमामयी परेड की समीक्षा श्रीलंका के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल लासांथा रोड्रिगो, आरएसपी, सीटीएफ-एनडीयू, पीएससी, आईजी ने की। परेड को संबोधित करते हुए समीक्षा अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल लासांथा रोड्रिगो ने भावुक होते हुए कहा कि आईएमए के पूर्व छात्र होने के नाते इस ऐतिहासिक परेड की समीक्षा करना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने याद किया कि किस प्रकार एक साधारण बाल कटवाने के साथ उनकी सैन्य यात्रा की शुरुआत इसी अकादमी से हुई थी। उन्होंने कहा कि वर्दी केवल एक पद का प्रतीक नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवन शैली है। एक सच्चा अधिकारी अपने चरित्र, आचरण और निर्णयों से अपने अधीनस्थों का विश्वास अर्जित करता है, यह सम्मान केवल रैंक से नही मिलता, यह हर दिन के कर्म से कमाया जाता है। श्रीलंका सेना प्रमुख ने कहा कि कैडेट्स को आईएमए की महान विरासत में अपना नया अध्याय जोड़ने की प्रेरणा दी और उत्कृष्ट परेड के लिए बधाई दी। कहा कि कैडेट्स अब जीवनभर चलने वाले सैन्य बंधुत्व का हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के प्रेरणास्पद शब्दों के साथ अपना संबोधन समाप्त किया सच्चे बनो, ईमानदार बनो, निर्भीक बनो। (एजेंसी)

समीक्षा अधिकारी द्वारा प्रदान किए गए प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं

स्वॉर्ड ऑफ ऑनर एकेडमी कैडेट एडजुटेंट अन्नी नेहरा
गोल्ड मेडल (मेरिट सूची में प्रथम स्थान) एकेडमी अंडर ऑफिसर रोनित रंजन नायक
सिल्वर मेडल (मेरिट सूची में द्वितीय स्थान) एकेडमी कैडेट एडजुटेंट अन्नी नेहरा
ब्रॉन्ज मेडल (मेरिट सूची में तृतीय स्थान) बटालियन अंडर ऑफिसर अनुराग वर्मा
तकनीकी स्नातक कोर्स में प्रथम स्थान सार्जेंट आकाश भदौरिया (सिल्वर मेडल)
टीईएस-45 में प्रथम स्थान विंग कैडेट क्वार्टर मास्टर कपिल (सिल्वर मेडल)
विदेशी कैडेट में प्रथम स्थान विदेशी ऑफिसर कैडेट निशान बलामी (नेपाल)
चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बैनर केरन कंपनी (स्प्रिंग टर्म 2025 में 12 कंपनियों में सर्वोच्च प्रदर्शन के लिए)

मुख्यमंत्री ने आईटीबीपी के हिमाद्री ट्रैकिंग अभियान को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के हिमाद्री ट्रैकिंग अभियान-2025 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में दिवंगत हुए सभी यात्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। विमान दुर्घटना में दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आईटीबीपी के वीर जवानों, अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अभियान न केवल साहस और संकल्प का प्रतीक है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों की सामरिक सुरक्षा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी का 45 सदस्यीय दल इस अभियान के अंतर्गत उत्तराखंड से हिमाचल प्रदेश होते हुए लद्दाख तक लगभग 1032 किलोमीटर की कठिन यात्रा करेगा। यह अभियान न केवल सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों की निगरानी सुनिश्चित करेगा, बल्कि धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों की पहचान तथा स्थानीय परंपराओं को प्रोत्साहित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि वीरभूमि उत्तराखंड से बड़ी संख्या में सेना और अर्धसैनिक बलों में सेवा करने वाले वीर जवान देश की रक्षा में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल वर्ष 1962 से लगातार देश की सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ आपदाओं के समय भी राहत व बचाव कार्यों में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर आईजी आईटीबीपी संजय गुंज्याल, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव गृह शैलेश बगौली, डीजीपी दीपम सेठ, आईजी आईटीबीपी गिरीश चन्द्र उपाध्याय एवं आईटीबीपी के जवान मौजूद थे।

सरकार सैनिकों और परिजनों के कल्याण के लिए कर रही कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शहीदों के परिजनों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख किया गया है, वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों को दी जाने वाली धनराशि में वृद्धि की गई है और बलिदानियों के आश्रितों को सरकारी नौकरी में समायोजन की अवधि को दो वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष कर दिया गया है। वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों और पूर्व सैनिकों को सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा, संपत्ति की खरीद पर स्टाम्प ड्यूटी में छूट और बेटियों के विवाह हेतु विशेष अनुदान जैसी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं।

सीएम आवास घेराव करने जा रहे लोगों ने दी गिरफ्तारी

देहरादून। दून में रिस्पना और बिंदाल नदी के किनारे बसी बस्तियों को बचाने की मांग को लेकर सीएम आवास कूच कर रहे लोगों को पुलिस ने सालावाला चौक पर रोक दिया। इससे खफा लोगों ने गिरफ्तारी दी, जिन्हें पुलिस अपने वाहन से सहस्त्रधारा रोड स्थित एकता विहार लेकर आई, उनको छोड़ दिया गया। नव पर्वतीय विकास संस्था के 'मेरा घर मेरी दुनिया अभियान के तहत सालावाला चौक पर हुए।

यहां सीएम आवास के लिए कूच शुरू किया, लेकिन पुलिस ने उनको चौक पर ही रोक दिया, इससे खफा लोगों ने गिरफ्तारी दी। अधिवक्ता विनोद कुमार ने कहा कि दून में रिस्पना और बिंदाल नदी पर एलिवेटेड रोड बनाने की तैयारी चल रही है।

इस प्रोजेक्ट से मलिन बस्तियों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। मलिन बस्तियों को ध्वस्त नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने सरकार से एलिवेटेड प्रोजेक्ट को रद करने की मांग की है। कहा कि जब तक प्रोजेक्ट रद नहीं होता है तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

झपकी आने से हाईवे पर पलटी बस, 14 श्रमिक घायल

काशीपुर। लखीमपुर खीरी से देहरादून जा रही श्रमिकों से भरी प्राइवेट बस शुक्रवार रात करीब 1 बजे नेशनल हाईवे 74 पर दोराहे के पास पलट गई। बस में सवार 14 से अधिक श्रमिक घायल हो गए। आनन फानन में पुलिस टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। हादसे की वजह बस चालक को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है। हादसे के बाद चालक और हेल्पर फरार हो गए। यूपी के लखीमपुर खीरी से श्रमिकों की एक बस शुक्रवार देर शाम देहरादून के लिए निकली थी। नेशनल हाईवे 74 पर रात करीब 1 बजे अनियंत्रित बस पहले डिवाइडर से टकराई फिर सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे में 29 वर्षीय रेनू देवी पत्नी दिनेश, 37 वर्षीय रमेश पुत्र रामप्रकाश, 19 वर्षीय पवन पुत्र भरत, 35 वर्षीय राजू पुत्र विश्वराम, 30 वर्षीय मदनलाल पुत्र रामभरोसे, 50 वर्षीय श्रीफ पुत्र वली मोहम्मद, 17 वर्षीय रोहिनी पुत्री दया प्रसाद, 30 वर्षीय मुन्ना लाल पुत्र भीमराव, 30 वर्षीय कलामउद्दीन पुत्र लियाकत अली, 35 वर्षीय विनोद पुत्र परमेश्वर, 18 वर्षीय राहुल पुत्र शरवन, 25 वर्षीय दानिश पुत्र शाहिद अली, 19 वर्षीय नीलम पत्नी सतीश निवासीगण लखीमपुर खीरी तथा 37 वर्षीय हरेन्द्र पुत्र धर्म दत्त निवासी सीतापुर यूपी गंभीर घायल हो गये। बाकी कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं। हादसे की सूचना के बाद रात्रि अधिकारी कविंद्र शर्मा टीम को साथ लेकर मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। कोतवाल प्रवीण कोश्यारी ने बताया कि पूछताछ में चालक को नींद की झपकी आने के कारण हादसा होना सामने आया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तुरंत घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराया है।

पांच दिवसीय यात्रा पर पीएम मोदी आज पहुंचेंगे कनाडा

नई दिल्ली,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 से 19 जून तक कनाडा, साइप्रस और क्रोएशिया की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री कनाडा में वे जी–7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जो भारत की वैश्विक कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने की ओर बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह यात्रा भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नई उंचाइयों तक ले जाएगी।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर मोदी कनानास्किस में जी–7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। यह उनकी छठी जी–7 भागीदारी होगी। वे जी–7 देशों, अन्य आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं के साथ ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम जैसे वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी।

साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के निमंत्रण पर पीएम मोदी 15–16 जून को साइप्रस जाएंगे। यह 20 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा होगी। निकोसिया में वे राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और लिमासोल में व्यापार जगत के नेताओं को संबोधित करेंगे। यह यात्रा भारत–साइप्रस संबंधों को प्रगाढ़ करने और यूरोपीय संघ और भूमध्यसागरीय क्षेत्र के साथ सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण होगी। क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के निमंत्रण पर मोदी 18 जून को क्रोएशिया जाएंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली यात्रा होगी, जो दोनों देशों के संबंधों में ऐतिहासिक होगी। वे प्रधानमंत्री प्लेंकोविच के साथ वार्ता करेंगे और राष्ट्रपति ज़ोरान मिलनोविच से मुलाकात करेंगे। यह यात्रा भारत के यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को और मजबूत करेगी।

हाईकोर्ट ने जेल में हुई लड़ाई में मृत कैदी के परिजनों को मुआवजा देने का दिया आदेश

नई दिल्ली, । दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि हिरासत में रखे गए कैदियों की सुरक्षा और उनके हितों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है. जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर ने जेल में बंद कैदियों के दो गुटों के बीच हुई लड़ाई में मारे गए एक कैदी के परिजनों को मुआवजा देने का आदेश देते हुए ये टिप्पणी की. कोर्ट ने कहा कि जेलों के अंदर गिरोहों को पनपने नही देना चाहिए. कोर्ट ने कहा कि ये सरकार का कर्तव्य है कि वो आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करे और इसमें और आम जनता में जेल में बंद कैदी भी शामिल है. ऐसे में हिरासत में अप्राकृतिक मौतों के मामले में मुआवजा देना सरकार का काम है. कोर्ट ने दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) को मृतक जावेद के परिजनों को तीन लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया. तीन लाख रुपये के मुआवजे में से एक लाख रुपये पहले ही जावेद की मां को दिए जा चुके हैं. जावेद की मां की अब मौत हो चुकी है. कोर्ट ने साफ किया कि उसका ये साफ मानना है कि ये सरकार का कर्तव्य है कि वो हिरासत में बंद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, भले ही उसकी पृष्ठभूमि आपराधिक क्यों नही हो. कोर्ट ने कहा कि सरकार हिरासत में बंद कैदियों की सुरक्षा और उनके हित सुनिश्चित करने के अपने कर्तव्य से मुंह नही मोड़ सकती है.

उपराड़ी गांव में विधि विधान से खुले बाबा बौखनाग के कपाट

उत्तरकाशी। उपराड़ी गांव में सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में शनिवार को बाबा बौखनाग के कपाट विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ खोले गए। दोपहर 1.30 बजे बाबा बौखनाग की डोली गर्भगृह से भक्तों के दर्शन को बाहर निकाली गई। इस अवसर पर सैकड़ों भक्तों ने बाबा के दर्शन कर सुख समृद्धि का आशीर्वाद लिया। शनिवार को उपराड़ी गांव स्थित बाबा के थान में सुबह से ही भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। कपाट खोलने की तैयारी के बीच मंदिर के गर्भगृह में पंडितों ने बाबा बौखनाग मूर्ति का दूध, दही, घी आदि से अभिषेक कर पूजा अर्चना की। जिसके बाद विधि विधान से बाबा की डोली को गर्भगृह से बाहर भक्तों के दर्शन के लिए निकाला गया। जहां बाबा बौखनाग ने अवतरित होकर भक्तों को खुशी का आशीर्वाद दिया। ठीक एक वर्ष बाद बाबा की डोली गर्भगृह से बाहर निकाली गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें हारुल तांदी लोक नृत्य आदि कार्यक्रम शामिल रहे। उपराडी गांव के ग्रामीणों के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। भक्तों ने बाबा को श्रीफल, चुनरी, चावल आदि भेंट कर सुख समृद्ध का आर्शीवाद लिया। इस अवसर पर बाबा के माली संजय प्रसाद डिमरी, समिति के अध्यक्ष जयेंद सिंह रावत, यशपाल सिंह रावत, गुलाब सिंह पंवार, रमेश चंद्र रमोला, यशवंत सिंह, चंद्र मोहन पंवार, विनोद रावत, प्रताप सिंह राणा, धर्मानंद डिमरी, कीर्तिमणी डिमरी, महादेव प्रसाद, जगमोहन सिंह रावत, अमीन राणा, मुंशी राम डिमरी सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

राष्ट्र की संप्रभुता से बढ़कर कुछ नहीं, हाई कोर्ट का आरोपियों को जमानत देने से इन्कार

श्रीनगर, जम्मू कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने कड़े शब्दों में फैसला सुनाते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी गतिविधियों के आरोपी दो लोगों की जमानत याचिका खारिज कर दी है. कोर्ट ने कहा कि, आम जनता की शांति और सौहार्द के अलावा राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता से ऊपर कुछ भी नहीं है. जस्टिस संजय परिहार और न्यायमूर्ति राजेश ओसवाल की डिवीजन बेंच ने शोपियां के बिलाल अहमद कुमार और अनंतनाग के तौफीक अहमद लवे की अपील खारिज कर दी. वे दोनों जनवरी 2021 से एफआईआर संख्या 20/2021 के तहत हिरासत में हैं. दोनों के पास से कथित तौर पर एक हथगोला और एक किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी. साथ ही उन दोनों पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) से संबंध होने का आरोप है. अदालत ने 6 जून को सुनाए गए अपने 12 पन्नों के फैसले में कहा कि, अपीलकर्ता एक ऐसे मॉड्यूल का हिस्सा थे जिसमें सक्रिय आतंकवादी एजाज अहमद वानी, रईस अहमद भट भी शामिल थे. ये दोनों आतंकी साल 2021 में एक एनकाउंटर में मारे गए थे. कोर्ट के फैसले में कहा गया कि, इस तरह की गतिविधियों का उद्देश्य आम जनता में असुरक्षा की भावना पैदा करना है, जिससे वे आतंकित महसूस करें, ताकि वे ऐसे संगठनों के निर्देशों का पालन कर सकें, जिनका एकमात्र उद्देश्य राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाना तथा राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता को कमजोर करना है. अपीलकर्ताओं ने विशेष न्यायाधीश (यूएपीए) अनंतनाग के नवंबर 2024 के आदेश को चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि उन्हें चार साल से अधिक समय तक जेल में रखा गया है, लेकिन मुकदमे में कोई खास प्रगति नहीं हुई है. उनके वकील वाजिद मोहम्मद हसीब ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष के पास प्रत्यक्ष सबूतों का अभाव है और उनके नाम केवल सह–अभियुक्तों के खुलासे के माध्यम से सामने आए हैं. हालांकि, बेंच ने यूएपीए की धारा 43–डी (5) के तहत कड़े जमानत प्रतिबंधों का हवाला देते हुए इन दलीलों को खारिज कर दिया,

राजस्थान और गुजरात में 25 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, 2.04 करोड़ नकद

नईदिल्ली,प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजस्थान और गुजरात में 25 ठिकानों पर छापेमारी कार्रवाई की है. राजस्थान में जयपुर, जोधपुर, सीकर, झुंझुनू में ईडी की अलग–अलग टीमों ने सर्च ऑपरेशन चलाया. वहीं, गुजरात के अहमदाबाद व अन्य जगहों पर भी ईडी की टीमों ने कार्रवाई की. हालांकि, यह कार्रवाई गुरुवार को की गई थी. अब आज ईडी ने इस मामले में आधिकारिक बयान जारी किया है.

इसमें बताया गया कि नेक्सा एवरग्रीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एजेंसी ने गुजरात और राजस्थान में 25 ठिकानों पर सर्च अभियान चलाया. जयपुर, सीकर, झुंझुनू समेत 25 ठिकानों पर छापेमारी कर संदेहास्पद रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरणों के साथ 2.04 करोड़ की नकदी जब्त की गई है. इसके साथ ही क्रिप्टो खातों में जमा करीब 15 करोड़ रुपए की राशि भी एजेंसी ने जब्त की है. यह पूरा मामला 62 हजार से ज्यादा लोगों के साथ करीब 27000 करोड़ रुपए की ठगी से जुड़ा है. जिसमें ईडी मनी लॉन्ड्रिंग के मामले की जांच कर रही है.

शुभांशु शुक्ला का एक्सिओम–4 मिशन 19 जून को होगा लॉन्च

नईदिल्ली,भारतीय अंतरिक्ष यात्री कैप्टन शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष जाने वाला एक्सिओम–4 मिशन अब 19 जून को लॉन्च हो सकता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुताबिक एक्सीओम स्पेस कम्पनी ने फॉल्कन 9 रॉकेट में हुए लिक्विड ऑक्सीजन लीक को दूर कर लिया है। इस खामी की वजह से 11 जून को लॉन्च टालना पड़ा था। इसरो, एक्सिओम स्पेस और स्पेस– एक्स के बीच बैठक के दौरान ऑक्सीजन रिसाव को सफलतापूर्वक ठीक करने की पुष्टि की है। एक्सिओम स्पेस ने बताया कि वे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर ज्वेजदा सर्विस मॉड्यूल में दबाव विसंगति का आकलन करने के लिए नासा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एक्सिओम स्पेस की अब इस मिशन को 19 जून को लॉन्च करने का लक्ष्य है।इससे पहले रॉकेट के बूस्टर में लिक्विड ऑक्सीजन (एलओएक्स) का रिसाव के कारण 11 जून को प्रस्तावित लॉन्च टाल दिया गया था। एक्सिओम–4 मिशन की लॉन्चिंग अब तक कई बार टल चुकी है।

मांगटीका खरीदने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा सही चयन

मांगटीका एक ऐसा गहना है, जो महिलाओं के सिर पर लगती है और यह पारंपरिक भारतीय कपड़ों के साथ बहुत अच्छा लगता है। हालांकि, सही मांगटीका चुनना आसान नहीं होता है। सही मांगटीका चुनने के लिए आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए ताकि यह न केवल आपके चेहरे पर जचे, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाए। आइए जानते हैं कि मांगटीका खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

चेहरे के आकार का ध्यान रखें

मांगटीका खरीदते समय अपने चेहरे के आकार का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अगर आपका चेहरा गोल है तो लंबी और पतले डिजाइन वाला मांगटीके चुनें। ये आपके चेहरे को लंबा दिखाने में मदद करेंगे, वहीं अगर आपका चेहरा लंबा है तो चौड़ी और भारी डिजाइन वाले मांगटीके चुन सकते हैं।

इसके अलावा अगर आपका चेहरा अंडाकार है तो किसी भी तरह की डिजाइन चुन सकते हैं, लेकिन छोटी और मध्यम आकार की मांगटीके बेहतर रहेंगी।

पारंपरिक या आधुनिक, अपनी पसंद चुनें

मांगटीका खरीदते समय आपको यह तय करना होगा कि आपको पारंपरिक डिजाइन पसंद है या आधुनिक। पारंपरिक मांगटीके अक्सर जरी की कारीगरी और रत्नों से सजाए जाते हैं, जबकि आधुनिक मांगटीके सरल और हल्के होते हैं। अगर आप पारंपरिक कपड़ों के साथ इसे पहनने जा रही हैं तो पारंपरिक मांगटीका चुनें, वहीं अगर आप पश्चिमी कपड़ों के साथ इसे पहनना चाहती हैं तो आधुनिक डिजाइन वाला मांगटीका बेहतर रहेगा।

रंगों का चयन सोच-समझकर करें

मांगटीका खरीदते समय रंगों का चयन भी अहम होता है। गोल्ड प्लेटिंग, ऑक्सीडाइज, स्टोन या मोती आदि कई तरह के विकल्प उपलब्ध होते हैं।

अगर आपकी त्वचा का रंग गहरा है तो गोल्ड प्लेटिंग या स्टोन मांगटीका चुनें क्योंकि ये आपकी त्वचा का निखार बढ़ाएंगे, वहीं अगर आपकी त्वचा का रंग हल्का है तो ऑक्सीजाइज या मोती रंग बेहतर रहेगा। इसके अलावा अपने कपड़ों के रंगों के साथ मेल खाते हुए रंग भी चुन सकती हैं।

आकार पर दें ध्यान

मांगटीका का आकार भी महत्वपूर्ण होता है। आजकल बाजार में अलग-अलग आकार के मांगटीके उपलब्ध होते हैं जैसे कि फूल, चंद्रमा, सितारे आदि। अगर आप रोजमर्रा की जिंदगी में इसे पहनने जा रही हैं तो छोटे आकार वाले मांगटीके चुनें जो आरामदायक हों और हर मौके पर पहने जा सकें, वहीं खास मौकों पर बड़े और भव्य डिजाइन वाले मांगटीके अच्छे लगते हैं। इन बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सही मांगटीका चुन सकती हैं।

बजट बनाएं

मांगटीका खरीदने से पहले अपना बजट तय कर लें ताकि आप बिना किसी तनाव के सही विकल्प चुन सकें।बाजार में महंगे और सस्ते दोनों प्रकार के मांगटीके मिलते हैं इसलिए अपने बजट के अनुसार ही खरीदारी करें। इस तरह इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप आसानी से अपने लिए एक सुंदर और उपयुक्त मांगटीका चुन सकती हैं जो आपके पूरे लुक को खास बनाएगा।

गाय की ये 5 प्रजातियां हैं सबसे ज्यादा प्रसिद्ध, जानिए इनके बारे में

दूध देने वाली गाय की कई प्रजातियां होती हैं, जो अपने दूध उत्पादन और खासियत के लिए जानी जाती हैं। इनमें से कुछ प्रजातियां अन्य की तुलना में अधिक लोकप्रिय हैं। इन प्रजातियों का चयन उनकी दूध देने की क्षमता, स्वास्थ्य, और पर्यावरण के अनुकूलता के आधार पर किया जाता है।

आइए कुछ ऐसी ही प्रमुख गाय प्रजातियों के बारे में जानते हैं, जो दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं।

होल्स्टीन फ्रिजियन गाय काले और सफेद रंग की होती हैं। यह प्रजाति दूध उत्पादन के लिए जानी जाती है और इनका पालन ज्यादातर डेयरी फार्म में किया जाता है।

ये गायें अन्य प्रजातियों की तुलना में अधिक दूध देती हैं, जिससे इन्हें विश्वभर में सबसे अधिक पसंद किया जाता है।

इनकी देखभाल और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि इनका स्वास्थ्य अच्छा रहे और ये अधिकतम दूध उत्पादन कर सकें।

शॉर्टहॉर्न गाय

शॉर्टहॉर्न गाय इंग्लैंड की मूल प्रजाति होती हैं, जो अपने हल्के भूरे रंग और हल्के शरीर के लिए जानी जाती हैं।

ये ज्यादा दूध देने वाली गायों में शामिल होती हैं और इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए किया जाता है।

इनका दूध उत्पादन औसतन 6,500 लीटर प्रति वर्ष होता है। इनकी ज्यादा दूध देने की क्षमता इन्हें अन्य गायों से अलग बनाती है और इन्हें दूध उद्योग में पसंद किया जाता है।

ब्राउन स्विस गाय

ब्राउन स्विस गाय स्विट्जरलैंड से आई एक दुग्धीय प्रजाति है, जिनका पालन मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए किया जाता है।

बरसात की ऐसी झड़ी लगी, जैसे सावन हो

केरल में मानसून 24 मई, 2025 को आ गया, जबकि सामान्य आगमन तिथि 1 जून है उससे 8 दिन पहले। मुंबई और कर्नाटक में भी मानसून समय से काफी पहले आ गया है। मुंबई में मानसून की सामान्य आगमन तिथि 11 जून है, जबकि आ गया 26 मई को। कर्नाटक में 1–5 जून की सामान्य तिथि की तुलना में बादलों का डेरा 26 मई को आ गया। जलवायु परिवर्तन का गहरा असर भारत में अब दिखने लगा है, इसके साथ ही ठंड के दिनों में 'अलनीनोइ और दीगर मौसम में 'ला नीनाइ का असर हमारे मानसून–तंत्र को प्रभावित कर रहा है। इस साल बहुत पहले और भयंकर बरसात का प्रमुख कारण समुद्री सतह के तापमान स्स्ज्ञ) में वृद्धि माना जा रहा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक हो जाने से मानसून जल्दी शुरू हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जिससे वायुमंडल में नमी बढ़ती है और बादल जल्दी बनते हैं। जैसे–जैसे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता है, वातावरण में नमी की मात्रा भी बढ़ती है। अनुमान है कि प्रति डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर वातावरण में 6 से 8त्न नमी बढ़ जाती है।

पंकज चतुर्वेदी

कहते हैं जब जेठ तपता है तो आषाढ़ बरसता है और सावन–भादों में झड़ी लगती है। इस साल जब नौतपा में भारत वर्ष को खूब गरम होना था, बरसात की ऐसी झड़ी लगी, जैसे सावन हो।

मौसम वैज्ञानिक विचार करते रहे कि यह मानसून–पूर्व बरसात है, लेकिन चुपके से कर्नाटक, महाराष्ट्र और केरल में मानसून की बदलियां जल्दी ही धमक गई। हमारे देश का अर्थ–तंत्र और सामाजिक तानाबाना मानसून पर निर्भर है। इस तरह जल्दी बरसात ने भले ही ताप के प्रभाव को कम कर दिया हो, लेकिन यदि जलवायु परिवर्तन के कारण इस तरह मानसून अनियमित होता रहा तो देश के समीकरण गड़बड़ा जाएंगे।

इस साल केरल में मानसून 24 मई, 2025 को आ गया, जबकि सामान्य आगमन तिथि 1 जून है उससे 8 दिन पहले। मुंबई और कर्नाटक में भी मानसून समय से काफी पहले आ गया है। मुंबई में मानसून की सामान्य आगमन तिथि 11 जून है, जबकि आ गया 26 मई को। कर्नाटक में 1–5 जून की सामान्य तिथि की तुलना में बादलों का डेरा 26 मई को आ गया। जलवायु परिवर्तन का गहरा असर भारत में अब दिखने लगा है, इसके साथ ही ठंड के दिनों में 'अलनीनोइ और दीगर मौसम में 'ला नीनाइ का असर हमारे मानसून–तंत्र को प्रभावित कर रहा है। इस साल बहुत पहले और भयंकर बरसात का प्रमुख कारण समुद्री सतह के तापमान स्स्ज्ञ) में वृद्धि माना जा रहा है।

अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक हो जाने से मानसून जल्दी शुरू हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जिससे वायुमंडल में नमी बढ़ती है और बादल जल्दी बनते हैं। जैसे–जैसे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता है, वातावरण में नमी की मात्रा भी बढ़ती है। अनुमान है कि प्रति डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर वातावरण में 6 से 8त्न नमी बढ़ जाती है। यह बढ़ी हुई नमी मानसून की हवाओं को तेजी से सक्रिय कर सकती है। वैंक तापमान बढ़ने के चलते यूरेशिया और हिमालय में बर्फ का कम होना और तेजी से पिघलने ने भी जल्दी बरसात को बुलाया दिया है।

बर्फ की कमी से जमीन जल्दी गर्म हो जाती है, जिससे कम दबाव का क्षेत्र मजबूत होता है, जो मानसूनी हवाओं को अपनी ओर खींचता है और मानसून को जल्दी ला सकता है। जल्दी मानसून के कुछ वैंकि कारक भी हैं। अल नीनो की तरह इनमें से एक मैडेन–जूलियन ऑसिलेशन हिन्द महासागर में बादलों और बारिश को प्रभावित करने वाली एक वैंकि मौसमी घटना है। इसके अनुकूल चरण (चरण–3 और चरण–4 की शुरु आती गतिविधि) मानसूनी हवाओं के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना सकते हैं और मानसून को जल्दी ला सकते हैं। एक अन्य कारण वैंकि कारक सोमाली जेट है। मॉरीशस और मेडागास्कर के पास से निकलने वाली एक प्रमुख निम्न–स्तरीय पवन धारा–मई 2025 में तीव्र हो गई। यह जेट अरब सागर के पार केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र सहित भारत के पश्चिमी तट पर नमी से भरी हवा पहुंचाता है।

इस साल इसकी असामान्य ताकत मानवजनित प्रभावों के कारण प्रतीत होती है। इंडियन ओशन डायपोल (द्वह्वष्ठ) का पॉजिटिव होना भी एक बड़ा कारण है। यह अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसूनी हवाएं तेज होती हैं और मानसून के जल्दी आने का कारण भी बन सकता है। अब जल्दी बरसात आने से माहनगरों की तैयारी अधूरी रही और चेन्नई, मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहर डूब गए, लेकिन सबसे बड़ा संकट तो किसान का है। किसानी आज भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसानों को अक्सर मानसून के एक निश्चित समय पर आने की उम्मीद होती है। यदि यह जल्दी आ जाता है, तो वे खेत तैयार करने, बुवाई करने या सही फसल का चुनाव करने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं।

यदि बुवाई के बाद अचानक भारी बारिश होती है, तो कोमल पौधे (अंकुरित फसल) नष्ट हो सकते हैं या मिट्टी की ऊपरी परत कठोर हो सकती है, जिससे पौधों के बढ़ने में बाधा आती है। अगर कोई फसल पहले से ही पक चुकी है या कटाई के करीब है और मानसून जल्दी आ जाता है, तो भारी बारिश से फसलें खराब हो सकती हैं, उनमें फंगस लग सकता है या वे खेत में ही सड़ सकती हैं। कुछ फसल को एक निश्चित शुष्क अवधि की आवश्यकता होती है, और जल्दी मानसून से उनका सामान्य फसल चक्र बाधित हो सकता है।

महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में पिछले कुछ दिनों से जारी बारिश ने बड़े पैमाने पर फसलों को प्रभावित किया है। राज्य में समय से पहले मानसून के सक्रिय होने से किसानों की चिंताएं और बढ़ गई है। आम, अनार, नींबू जैसी बागवानी फसलों के साथ साथ बाजरा, मक्का की फसल भी प्रभावित हुई है। बारिश की सबसे ज्यादा मार प्याज किसानों पर पड़ी है। इसके अलावा सोयाबीन और उड़द एवं मूंग जैसी फसलों के प्रभावित होने की भी आशंका जताई जा रही है। मई महीने में हो रही बारिश के कारण 29,483 हेक्टेयर फसल, खासतौर पर आम, अनार, संतरा, मीठा नींबू और सब्जियों जैसी बागवानी फसल को नुकसान पहुंचा है। नासिक में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। भारी बारिश के कारण बागवानी के आलावा बाजरा, मक्का, जैसी फसल को भी नुकसान पहुंचा है। किसानों को इस बारिश ने परेशान कर दिया है, खासकर मराठवाड़ा और विदर्भ के ऐसे किसान जो आगामी खरीफ सीजन के लिए अपने खेतों को तैयार करने में जुटे थे। किसानों के मुताबिक सोयाबीन के लिए जुताई और कतार बनाने के मामले में खेत की तैयारी अभी पूरी नहीं हुई है।

बारिश ने काम रोक दिया है। बुवाई का काम खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद भी शुरू होता है। मूंग और उड़द जैसी फसलों के लिए बुवाई का समय कम होता है, जबकि कपास और सोयाबीन जैसी फसल के लिए यह समय लंबा होता है। किसानों को चिंता है कि कहीं यह बारिश बुवाई के दौरान मुश्किल न बन जाए।

सामान्य मानसून से किसी भी प्रकार का विचलन, चाहे वह जल्दी हो या देर से, दूरगामी परिणाम पैदा कर सकता है, जिसका असर कृषि, ग्रामीण आजीविका, समग्र अर्थव्यवस्था और यहां तक कि सामाजिक स्थिरता पर भी पड़ सकता है। जल्दी मानसून का आना मौसम के पैटर्न में एक व्यवधान का संकेत हो सकता है, जो कृषि से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में अनपेक्षित और नकारात्मक परिणाम पैदा कर सकता है।

तथ्यों को दबाना संभव नहीं

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को सिंगापुर में जो कहा है वह सबकी आंखें खोल देने वाला है। इससे साबित होता है कि जब दो देशों के बीच छिटपुट सैन्य संघर्ष की स्थिति हो तो ऐसे में असत्य अवधारणाओं और समर्थक मीडिया के सहारे ही बढ़त नहीं ली जा सकती। तथ्यों को दबाना संभव नहीं होता और वे किसी न किसी रास्ते बाहर आ ही जाते हैं। 'ब्लूमबर्ग टीवीइ को दिये एक साक्षात्कार में जनरल चौहान ने पड़ोसी देश के साथ चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष में साफ ब्योरा न देते हुए भारतीय पक्ष को हुए नुकसान की एक तरह से स्पष्ट स्वीकारोक्ति की है। उनका कहना था विमान गिरे यह महत्त्वपूर्ण नहीं है, क्यों गिरे यह जानना जरूरी है। प्रारंभिक नुकसान के कारणों का पता लगाने के बाद भारत ने अपनी रणनीति में सुधार किया, लंबी दूरी का लक्ष्य कर अपने सभी लड़ाकू विमान उड़ाए और पाकिस्तान में काफी अंदर तक सटीक हमले किए जिससे पाक संघर्ष विराम की गुहार लगाने पर मजबूर हुआ। हालांकि उन्होंने छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के पाकिस्तान के दावे को 'सरासर गलतइ बताया। जनरल चौहान की टिप्पणी से वायुसेना के वायु संचालन महानिदेशक, एयर मार्शल ए के भारती की उस बात को भी बल मिला कि 'नुकसान लड़ाई का एक हिस्सा है इ भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में छह मई की देर रात 'ऑपरेशनसिदूर के तहत ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल जैसी लंबी दूरी की मिसाइल का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकियों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। हमले के बाद चार दिन तक सैन्य टकराव हुआ। दोनों देशों के बीच दस मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी। इस सारे मामले में विपक्ष और देशवासियों को सही तथ्यों से अनभिज्ञ रखने की केंद्र सरकार की नीति सवालों के घेरे में है। अमेरिका के बड़बोले राष्ट्रपति के भारत–पाक में सीजफायर कराने के दावों ने पहले हास्यास्पद स्थिति पैदा की हुई है। वायु सेना प्रमुख की हाल में रक्षा उपकरणों को लेकर किए गए वादों को समय से पूरा न करने संबंधी टिप्पणी भी चिंताजनक है। सीडीएस की टिप्पणी के बाद कांग्रेस पार्टी ने सरकार से कहा है कि वह देश को सच–सच बताए कि पाकिस्तान के साथ चार दिन तक सैन्य टकराव में कितना नुकसान हुआ। पार्टी ने 1999 में करगिल समीक्षा समिति के गठन की तर्ज पर समीक्षा समिति का सवाल उठाया है। रक्षा विशेषज्ञ 'उपयुक्त युद्ध सामग्री नहीं होने के कारणइ सैन्य संघर्ष की पहली रात नुकसान होने की बात कह रहे हैं। सब कुछ बहुत उलझा हुआ और चिंताजनक है।

छात्रों की खुदकुशी

उच्चतम न्यायालय ने डांटने के बाद छात्र के आत्महत्या करने के मामले में आरोपी को बरी कर दिया। पीठ ने कहा कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने के कारण ऐसी दुखद घटना घट सकती है। अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध से शिक्षक को बरी करने से इनकार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा इस तरह की डांट–फटकार कम–से–कम यह सुनिश्चित करने के लिए थी कि दूसरे छात्र द्वारा की गई शिकायत पर ध्यान दिया जाए और सुधारात्मक उपाय किए जाएं। आरोपी के अनुसार, यह डांट–फटकार अभिभावक के रूप में थी, ताकि छात्र गलती दोबारा न दोहराए। दोनों के दरम्यान कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, छात्रों की आत्महत्या के मामलों में तेजी आती जा रही है। 2024 में लांच की गई रिपोर्ट, छात्र आत्महत्याएं: भारत में फैली महामारी के अनुसार छात्रों में आत्महत्या के मामलों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि देखी गई है, जो राष्ट्रीय औसत से दोगुनी है। पिछले दशक में 0–24 वर्ष के छात्रों की खुदकुशी की संख्या बढ़कर साढ़े तेरह हजार तक हो गई है। बीते हफ्ते ही सबसे बड़ी अदालत ने राजस्थान सरकार को कोटा में बढ़ती जा रही छात्रों की आत्महत्याओं पर न सिर्फ फटकार लगाई है बल्कि जांच करने को भी कहा है। नई पौध का जीवन बेशकीमती होता है। बावजूद इसके कि सारी दुनिया में तनाव, अवसाद व चिंता के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिनकी चपेट में आने से कोई वर्ग बचा नहीं है। छात्रों पर पढ़ाई का अत्यधिक बोझ तो है ही। उन पर शिक्षास्थल के वातावरण, प्रतिस्पर्धा, रिहायश, खान–पान का भी काफी दबाव बढ़ता जा रहा है।

क्या नई पीढ़ी का वर्तमान सोनम है ? या महज एक साजिश का खुलासा

विगत 8 जून को उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोनम के भाई की सूचना पर बनारस गाजीपुर एक्सप्रेस वे पर एक ढाबे से पकड़ा वह 17 दिन से अदृश्य थी ।कल से पहले सोनम और राजा के गुम होने में दोनों के कत्ल की आशंका थी। मगर मेघालय पुलिस ने राजा रघुवंशी के कत्ल में तीन अन्य के साथ सोनम का नाम भी शामिल बताया और जो घटनाक्रम बताया उससे पूरा देश हड़प्रभ है ।अब से पहले इंदौर में मप्र के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने केंदीय सरकार के गृह मंत्री श्री अमित शाह से पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी।

अजय दीक्षित

आज दिन भर देश की मीडिया की जुबान पर एक ही नाम सोनम छाया रहा है। विगत 23 मई से देश की तमाम पुलिस अधिकारियों की टीम मप्र के इंदौर की सोनम को ढूंढ रही थी। 27 वर्षीय सोनम की शादी इंदौर के ही राजा रघुवंशी के साथ 11 मई को हुई थी और 21 मई को सोनम अपने पति राजा के साथ हनीमून मनाने गोहाटी से होते हुए मेघालय गयी थी। विगत 8 जून को उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोनम के भाई की सूचना पर बनारस गाजीपुर एक्सप्रेस वे पर एक ढाबे से पकड़ा वह 17 दिन से अदृश्य थी ।कल से पहले सोनम और राजा के गुम होने में दोनों के कत्ल की आशंका थी। मगर मेघालय पुलिस ने राजा रघुवंशी के कत्ल में तीन अन्य के साथ सोनम का नाम भी शामिल बताया और जो घटनाक्रम बताया उससे पूरा देश हड़प्रभ है ।अब से पहले इंदौर में मप्र के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने केंदीय सरकार के गृह मंत्री श्री अमित शाह से पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी।

यह इस घटना का एक पहलू है लेकिन दूसरा पहलू बहुत ही भयावह है कि आखिर नई पीढ़ी की सोच को क्या हो गया है अपनी सामाजिक तानाबाना चरमरा गया है क्यों शिक्षा प्रणाली फेल हो रही है। पारिवारिक संस्कार खत्म हो गये हैं। नई पीढ़ी को कानून का ज्ञान भी नहीं है।सोनम जैसे कई किस्से सामने आ रहे हैं। अभी हाल में नीले ड्रम में पति को सीमेंट कंक्रीट में दफनाया गया।

भारत में शादी विवाह संस्था काफी प्रभावी है। यूरोपीय देशों की तुलना में शादियां काफी सफल हैं मात्र दस फीसदी ही असफलता है। लेकिन पिछले 10 वर्षों में यह संख्या दुगनी हो चुकी है। समाजशास्त्री एडम स्ट्रेन ने पूरे विश्व की शादियों, नव जोड़ों,का अध्ययन किया है और वे कहते हैं कि शिक्षित और विकसित समाज में शादियों को लेकर असंतोष बढ़ा है और चिंताजनक भी है।स्ट्रेन ने लिखा है कि अमेरिका, यूरोपीय देशों में तलाक लेना कॉमन है। जबकि भारत में अभी तक शादियां सर्वाधिक सफल हैं।एशिया में मुस्लिम देशों में तो एक से अधिक शादी करने का प्रचलन है लेकिन सोनम जैसे मामले कम है। भारतीय समाज शिक्षित और विकसित हो रहा है तो इस तरह के मामले भी बढ़ रहे हैं। सोनम के समक्ष एक विकल्प शादी से इनकार करने का था मगर उसने घातक फैसला क्यों लिया यह मनोविज्ञान का विषय है।सोनम का प्रेमी राज कुशवाह भी इसकी पहल कर सकता था उसने भी अपराध का रास्ता चुना है।

कॉमेडी का डबल डोज: खटैक! कपिल शर्मा शो में सिद्धू पाजी का कमबैक

क्या आप भी कपिल शर्मा शो में नवजोत सिंह सिद्धू की शायरी और उन्हें एक जज के तौर पर मिस कर रहे थे. तो अब आपका इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि नवजोत सिंह सिद्धू अपनी उसी एनर्जी के साथ शो में वापसी करने जा रहे हैं. जी हां हाल ही में कपिल ने एक मजेदार वीडियो के साथ इसकी पुष्टी की. लेकिन क्या अर्चना पूरन सिंह अब जज नहीं रहेंगी या शो को दो जज मिलने वाले हैं, आइए जानते हैं. नवजोत सिंह सिद्धू द ग्रेट इंडियन कपिल शो में वापसी करने जा रहे हैं, इसलिए तैयार हो जाइए! 21 जून को तीसरे सीजन का प्रीमियर एक रोमांचक ट्विस्ट के साथ होने जा रहा है, दर्शकों को डबल सरप्राइज मिलने वाला है. क्योंकि सबके फेवरेट और सिद्धू पाजी शो में कमबैक करने जा रहे हैं. हालांकि शो की पहले ही जज अर्चना पूरन सिंह है और वो कहीं नहीं जा रही हैं. इसीलिए दर्शक अब डबल धमाके के लिए तैयार हो जाएं क्योंकि तीसरे सीजन में सिद्धू पाजी और अर्चना पूरन सिंह एक साथ ठहाके लगाने जा रहे हैं. अब यह दो जजों की कॉमेडी कोर्ट है, और फैसला एकमत है, दोगुनी हंसी, दोगुनी परेशानी और दोगुनी तालियां. नेटफ्लिक्स ने 9 जून को एक वीडियो जारी किया जिसमें टीम ने नवजोत सिंह सिद्धू को फैंस और अर्चना से मिलवाया. जहां प्रशंसकों को डबल धमाका देखने को मिलेगा, वहीं यह देखना दिलचस्प होगा कि निर्माता दर्शकों के लिए क्या लेकर आते हैं. इसके अलावा, इस बार फैंस सिर्फ दर्शक ही नहीं होंगे, बल्कि वे मंच पर भी होंगे, क्योंकि सुपरफैन को स्पॉटलाइट में आने का मौका मिलेगा.

जो काम सौरव गांगुली, ब्रेंडन मैक्कलम नहीं कर सके वो कर गए टेम्बा बावुमा

नई दिल्ली। टेम्बा बावुमा। ये नाम विश्व क्रिकेट के इतिहास की किताब में लिखा दिया गया है। बावुमा का कद बेशक छोटा हो, लेकिन काम उन्होंने ऐसा किया जिसने नई कहानी लिख डाली है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी जुझारू बल्लेबाजी और चालाकीभरी कप्तानी से साउथ अफ्रीका को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में मात दी।

ये साउथ अफ्रीका की दूसरी ट्रॉफी है। इस जीत के बाद बावुमा ने वो काम कर दिया है जो चुनिंदा कप्तान ही कर पाए हैं। ये काम है ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी इवेंट्स के फाइनल में मात देने का। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा नौ बार आईसीसी ट्रॉफी जीती है। इस टीम को फाइनल में हराना आसान नहीं है। लेकिन बावुमा ने पहली बार किसी आईसीसी इवेंट्स के फाइनल में कप्तानी की और उनके सामने ऑस्ट्रेलिया ही आ गई। बावुमा ने इस दिग्गज टीम को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

महान कप्तानों की लिस्ट में पहुंचे बावुमा

अभी तक बावुमा से पहले सिर्फ तीन ही कप्तान थे जिन्होंने आईसीसी इवेंट्स के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। सबसे पहले ये काम वेस्टइंडीज के महान कप्तान क्लाइव लॉयड ने 1975 के वनडे वर्ल्ड कप में किया था। तब विंडीज ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को ही हराया था। इसके बाद श्रीलंका के अर्जुन रणातुंगा ने साल 1996 में वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में मार्क टेलर की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलिया को हराया। फिर पॉल कोलिंगवुड की कप्तानी वाली इंग्लैंड ने साल 2010 में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मात दी। इन सभी के बाद अब बावुमा ने आईसीसी इवेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया है। ऐसा करने वाले वह चौथे कप्तान बन गए हैं।

बर्खा सिंह की लफंगे और क्रिमिनल जस्टिस 4 हफ्ते की टॉप 5 ओरिजिनल सीरीज में शामिल

अपनी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण के दम पर ओटीटी की दुनिया में एक मजबूत पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस बर्खा सिंह इन दिनों सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। अपने दमदार अभिनय और लगातार शानदार परफॉर्मेंस के चलते उन्होंने न केवल दर्शकों का दिल जीता है, बल्कि इंडस्ट्री में भी अपनी अलग जगह बनाई है।

बर्खा सिंह के लिए यह हफ्ता एक और गर्व का मौका लेकर आया है। उनकी दो नई वेब सीरीज 'लफंगेझ और 'क्रिमिनल जस्टिसः अ फैमिली मैटरझ् ऑरमैक्स मीडिया की ओटीटी व्यूअरशिप रेटिंग्स के अनुसार इस हफ्ते भारत की टॉप 5 सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली ओरिजिनल सीरीज़ में शामिल हो गई हैं।

इस खुशी के मौके पर बर्खा ने अपने सोशल मीडिया पर फैन्स और दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में उन्होंने लिखा,

बॉक्स ऑफिस पर कमल हासन की ठग लाइफ की हालत पस्त

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ को बीते 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। मणिरत्नम के निर्देशन में बनी इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल-बेहाल है। हर गुजरते दिन के साथ फिल्म की कमाई घटती जा रही है।

अब ठग लाइफ की कमाई के सातवें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

सैकनिल्क के मुताबिक, ठग लाइफ ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी पहले बुधवार को 1.25 करोड़ रुपये कमाए। इसी के साथ अब भारत में इस फिल्म की कुल कमाई 42.25 करोड़ रुपये हो गई है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद एयर इंडिया पर फूटा डेविड वार्नर का गुस्सा

नई दिल्ली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. वॉर्नर ने इस दुखद हवाई दुर्घटना के बाद एयर इंडिया की आलोचना भी की है. उन्होंने यह भी कहा है कि वह भविष्य में कभी भी उनके साथ उड़ान नहीं भरेंगे.

दरअसल, एयर इंडिया की एआई 171 फ्लाइट अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई. एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस दुर्घटना में लगभग 274 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 241 लोग उड़ान के दौरान और 33 लोग जहां प्लेन की क्रैश लैंडिंग हुई वहां मौजूद थे.विमान ने लगभग 625 फीट की उंचाई पर संतुलन खो दिया और उड़ान के कुछ ही मिनटों के भीतर अहमदाबाद के मेघानीनगर इलाके में बी.जे. मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. विमान दुर्घटना में केवल एक व्यक्ति जीवित बचा था. 40 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक विश्वाश कुमार रमेश जिसने अपनी 11ए सीट से आपातकालीन एग्जिट लिया था. मामले की जांच चल रही है.

वार्नर ने सोशल मीडिया यूजर विवेक के एक वीडियो पर टिप्पणी साझा की जो कथित तौर पर एयर इंडिया के पूर्व क्रू मेंबर थे और जिन्होंने विमान में कुछ समस्याओं की ओर इशारा किया था. मूल पोस्ट में लिखा था,'अरे! मैं एयर इंडिया का पूर्व क्रू हूं और यह एक ऐसा विमान था जिसे मैं अक्सर उड़ाता था. इस विमान में कई सालों से समस्याएं हैं. क्रू पायलट, इंजीनियर, हर कोई हमेशा लॉग बुक में इसके बारे में बताता रहा है लेकिन कंपनी के पास अपने सबसे कीमती गैटविक सेक्टर के लिए एक भी ड्रीमलाइनर नहीं था. यही कारण है कि हमें हमेशा इस विमान को उड़ाने के लिए बनाया गया था'.

एक नजर

जिले को मिले हॉकी, बैडमिंटन, जूडो, लॉन टेनिस और फुटबाल के कोच

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अब जिले में हॉकी, बैडमिंटन, जूडो, लॉन टेनिस और फुटबाल के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए खिलाड़ियों को अन्य जगह नहीं जाना पड़ेगा। खेल विभाग पौड़ी को बैडमिंटन, हॉकी, जूड़ो, लॉन टेनिस व फुटबाल के शौकीन खिलाड़ियों को तराशने के लिए पौड़ी जनपद को पांच कोच मिले हैं। दो कोचों ने ज्वाइन भी कर लिया है। जबकि अन्य कोच सोमवार तक अपनी ज्वाइनिंग देगें।

लंबे समय से खेल विभाग पौड़ी द्वारा निदेशालय से इन खेलों के लिए कोच की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई। जिले में खेल विभाग को पांच कोच मिले हैं। प्रभारी जिला क्रीडा अधिकारी संदीप डुकलान ने बताया कि पांच खेलों के लिए निदेशालय की ओर से कोच दिए गए हैं। जिससे युवा खिलाड़ियों को प्रेक्टिस करने में सुविधा होगी। बताया की जूडो की कोच मनीष रानी व फुटबाल के कोच जयवीर सिंह रावत ने ज्वाइन कर लिया है। जबकि बैडमिंटन के कोच अनुज नेगी, हॉकी की शिखा बिष्ट, लॉन टेनिस के अविनाश कुंवर सोमवार तक अपनी ज्वाइनिंग दे देंगे। बताया कि पौड़ी में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल विभाग की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न खेलों से कोच मिलने से युवा खिलाड़ियो का लाभ होगा।

एनसीसी कैडिटों ने किया रक्तदान

श्रीनगर गढ़वाल : अंतरर्राष्ट्रीय रक्तदाता दिवस पर गढ़वाल विवि के एनसीसी कैडिट्सों ने शनिवार को लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए बिड़ला परिसर में रैली निकाली। इस दौरान 50 से अधिक एनसीसी कैडिट्सों ने स्वैछिक रक्तदान किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसांई ने रक्तदान को महादान बताया। उन्होंने अपील की कि रक्तदान के लिए स्वयं आगे आएं और दूसरों का जीवन बचाएं। कार्यक्रम में गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. राकेश ढ़ोडी ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर भी स्वस्थ रहता है और दूसरे को भी जीवन दिया जा सकता है। कहा कि यह दिवस शरीर विज्ञान में नोबेल पुरस्कार प्राप्त कार्ल लैंडस्टैनर की याद में मनाया जाता है। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित अगलूटिनिम के आधार पर ब्लड ग्रुप की खोज की थी। उन्होंने सभी लोगों से स्वैच्छिक रूप से रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। इस मौके पर एनसीसी अधिकारी डा. सुरेंद्र सिंह कुंवर, डा. गांधी सिंह चौहान, डा. विजयकांत पुरोहित, डा. प्रशांत मैठाणी, संजीव बलोनी, अजय सिंह बिष्ट आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

विमान दुर्घटना के मृतकों को दी श्रद्धाजंलि

श्रीनगर गढ़वाल : अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृतकों के प्रति भाजपा श्रीनगर मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए श्रद्धाजंलि अर्पित की। भाजपाइयों ने दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिजनों को असहनीय पीड़ा सहन करने की शक्ति देने की बात कही। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि यह हादसा न केवल असंख्य परिवारों के लिए गहरा आघात है, बल्कि पूरे राष्ट्र की भावनाओं को झकझोर देने वाला है। कहा कि देश-विदेश से जुड़े कई लोग इस त्रासदी से प्रभावित हुए हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके अपार दुःख की हम पूरी संवेदनाओं के साथ अनुभूति करते हैं। इस दुःखद घड़ी में पूरा देश शोकाकुल परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इस मौके पर भाजपा पौड़ी जिला प्रभारी एवं दायित्व धारी राज्य मंत्री ऋषि कंडवाल, भाजपा श्रीनगर मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल, महामंत्री दिनेश पटवाल, बिपेंद्र बिष्ट, सुरेंद्र सिंह नेगी, विपिन थपलियाल, नगमा तौफिक, हिमांशु भट्ट, फते सिंह तड़ियाल, पार्षद रमोला आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

विमान हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

चमोली : अहमदाबाद विमान हादसे के दिवंगतजनों की आत्मा की शांति के लिए बीकेटीसी ने बदरीनाथ मंदिर में सामूहिक प्रार्थना की। इस मौके पर शोक सभा आयोजित कर सभी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने अहमदाबाद विमान हादसे में दिवंगत हुए गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सहित सभी दिवंगतों के प्रति शोक संवेदना जताई तथा श्रद्धांजलि व्यक्त की है। इस मौके पर शनिवार बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कपरवाण, बदरीनाथ मंदिर प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

सेहत बिगाड़ रहा फ्रिज का पानी, मिट्टी के बर्तनों की बढ़ी डिमांड

कोटद्वार के बदरीनाथ मार्ग में सजी मिट्टी के घड़े व मटके की दुकान

शहर में लगातार बढ़ रही मटका व सुराईं की डिमांड

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी में फ्रिज का चिल्ड पानी लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है। ऐसे में शहरवासी फ्रिज के बजाय मटका व सुराईं के पानी को पीना अधिक पसंद कर रहे हैं।

यही कारण है कि इन दिनों शहर में मटका, सुराही, कुल्हड़, मिट्टी से बनी बोतल व गिलास की डिमांड बढ़ गई है। हालांकि इस वर्ष मटका, सुराही व अन्य मिट्टी के बर्तनों के दामों में कुछ बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है।

गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा ठंडे पानी की इच्छा होती है। लिहाजा गर्मियों में मिट्टी के मटके और सुराही की डिमांड बढ़ने लगती है। अब तो बाजार में मटके के साथ मिट्टी की बोतल भी खूब बिक रही है। इन बोतलों को व्यक्ति अपने बैग में रख आफिस या सफर में भी आसानी से लेके जा सकते हैं। बच्चों के लिए स्पेशल मिट्टी के गिलास व बोतल भी बाजार में उपलब्ध है। मटका व सुराही विक्रेताओं ने बताया कि समय के साथ मिट्टी के बर्तनों में भी परिवर्तन किया गया है। पहले बिना ढक्कन वाली मिट्टी की बातले आती थी।

सेहत के लिए फायदेमंद

गर्मी के मौसम में मटके का पानी औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि मटका या घड़ा पानी की गुणवत्ता को सुधारता है। मटका पानी की सभी अशुद्धियों को दूर कर देता है। फ्रिज का पानी डायरेक्ट पीने से नुकसान करता है। सर्दी-खांसी जुकाम या गले में दर्द होने की संभावना बनी रहती है। लेकिन, मटके का पानी पीने से ऐसा कुछ भी नहीं होता। इसका टेंपरेचर नार्मल होता है। घड़े के पानी के साथ कई मिनरल्स भी शरीर को मिलते हैं।

जिसे हम केवल घर की टेबल में रख सकते थे। लेकिन, अब इसमें ढक्कन भी लगाया गया है। साथ ही मटके में भी टैंटी लगवाई गई है। टैंटी वाले मटके की कीमत साढ़े चार सौ रुपये है। जबकि, बोतल की कीमत दो सौ से चार सौ रुपये तक है।

कलश यात्रा के साथ शुरु हुआ अनुष्ठान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जहरीखाल के अंतर्गत ग्राम बबीना में कलश यात्रा के साथ मां भगवती के तीन दिवसीय वार्षिक पूजन का शुभारंभ हो गया है। पूजन में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी पहुंचे हुए हैं। मंदिर समिति के सचिव संतोष खंतवाल ने बताया कि पूजन के प्रथम दिन भजन कीर्तन के साथ मां भगवती देवी की आराधना की गई, जिसमें मंत्रोच्चार के साथ मां भगवती देवी का अभिषेक किया गया। शनिवार को मां भगवती देवी की भव्य कलश यात्रा निकाली गई। शनिवार सुबह ग्रामीण मां शक्ति देवी मंदिर के प्रांगण में एकत्र हुए। यहां से माता की डोली को क्षेत्र भ्रमण के लिए मंदिर से बाहर लाया गया। इस दौरान बबीना से दुधारखाल होते हुए मंदिर परिसर तक कलश यात्रा निकली। कलश यात्रा के बाद हवन यज्ञ व देवी पूजन किया गया। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष बिलोचन खंतवाल, सुनील खंतवाल, सुधीर ध्यानी, नरेश खंतवाल, नवीन ध्यानी मौजूद रहे।

युवक में रेबीज के दिखें लक्षण, किया रेफर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार बेस चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे एक मरीज में रेबीज के लक्षण नजर आने पर उसे देहरादून रेफर किया गया है। क्षेत्र में रेबीज पीड़ित मरीज के पहुंचने की जानकारी चिकित्सालय प्रशासन की ओर से नगर निगम को भी दी गई है।

कोटद्वार क्षेत्र की सड़कों में भटकने वाले मानसिक रूप से कमजोर एक युवक को सुबह बेस चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में लाया गया। युवक की हरकत देख मौजूद चिकित्सक को युवक में रेबीज का संदेश हुआ तो चिकित्सक ने फिजीशियन डा. जेसी ध्यानी को मामले की सूचना दी। डा. ध्यानी ने युवक से बातचीत की तो पता चला कि करीब एक माह पूर्व उसे बाजार में कुत्ते ने काट दिया था। इमरजेंसी वार्ड में मौजूद युवक पानी से भी डर रहा था, जो कि रेबीज का ही लक्षण है। चिकित्सालय प्रशासन ने तत्काल आकस्मिक चिकित्सा सेवा वाहन 108 के जरिए युवक को देहरादून के लिए रेफर कर दिया। इधर, पशु चिकित्सक डा. बीएम गुप्ता ने बताया कि क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान कुत्ते आक्रामक हो जाते हैं। घर में रखे गए कुत्तों को पानी व भोजन मिल जाता है। साथ ही घरेलू कुत्तों में एंटी रैबीज इंजेक्शन लगे रहते हैं। लेकिन, आवारा कुत्तों को कई बार पानी भी नहीं मिल पाता, इससे वे आक्रामक हो जाते हैं व काट लेते हैं। सामान्यतः आवारा कुत्ते को देख इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता कि वह रेबीज से पीड़ित है। ऐसे में आवारा कुत्ते द्वारा काटे जाने पर एंटी रेबीज के इंजेक्शन अवश्य लगाए जाने चाहिए।

नींद से जागा निगम, सुरक्षा दीवार का निर्माण शुरु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम प्रशासन की ओर से दो साल पहले खोह नदी में आई आपदा में बही ट्रंचिग ग्राउंड की सुरक्षा दीवार के निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है। शासन ने सुरक्षा दीवार के निर्माण के लिए 1.50 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। सुरक्षा दीवार का निर्माण होने से खोह नदी में गिर रहे ट्रंचिग ग्राउंड के कूड़े पर भी अंकुश लग सकेगा।

बतातें चलें कि वर्ष 2023 में 8 व 13 अगस्त को आई आपदा में खोह नदी ने भारी तबाही मचाई थी। इस दौरान गाड़ीघाट स्थित नगर निगम के ट्रंचिंग ग्राउंड की सुरक्षा दीवार भी आपदा में बह गई थी। इस कारण ट्रंचिंग ग्राउंड का कूड़ा लगातार खोह नदी में गिर रहा था। जिससे नदी लगातार प्रदूषित हो रही थी और जलीय जीवों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा था। निगम प्रशासन की ओर से बाढ़ सुरक्षा दीवार निर्माण के लिए सिंचाई विभाग को पत्र लिखा गया था, जिस पर आपदा मद में 1.50 करोड़ का प्रस्ताव तैयार कर जिला प्रशासन को भेजा गया था।

इस संबध में नगर आयुक्त वैभव गुप्ता ने बताया कि शासन से 1.50 करोड़ की धनराशि स्वीकृत होने के बाद नगर निगम ने सिंचाई विभाग से बाढ़ सुरक्षा दीवार का निर्माण कराने को कहा, लेकिन सिंचाई विभाग ने बाढ़ सुरक्षा दीवार नहीं बनाई। जिस पर नगर निगम ने स्वयं ही टेंडर कराकर सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य शुरू करा दिया है। .

बच्चों को आत्म सुरक्षा की जानकारी देना जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला बाल कल्याण समिति पौड़ी द्वारा राजकीय मॉडल प्राथमिक विद्यालय पौड़ी में बाल संरक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति की सदस्य गंगोत्री नेगी ने कहा कि बच्चों को शुरू से ही आत्म-सुरक्षा की जानकारी देना अनिवार्य है, जिससे वे स्वयं को हर स्थिति में सुरक्षित रख सकें।

समिति की सदस्य गंगोत्री नेगी व सुनीता भट्ट द्वारा स्कूल के छात्र-छात्राओं को गुड टच एवं बैड टच, बाल अधिकार, बाल सुरक्षा के उपाय एवं चाइल्ड लाइन 1098 हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। चाइल्ड लाइन टीम द्वारा बच्चों को सरल एवं संवादात्मक तरीके से सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान करना, खतरे की स्थिति में प्रतिक्रिया देना व मदद प्राप्त करने के व्यावहारिक उपाय सिखाए गए। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभव साझे किए।

ग्राम दिवई के सक्षम रावत बने लेफ्टिनेंट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मूल रूप से कल्जीखाल के ग्राम दिवई में रहने वाले सक्षम रावत सेना में लेफ्टिनेंट बनें हैं। सक्षम की इस सफलता पर उनके अभिभावकों सहित अन्य लोगों ने खुशी व्यक्त की है। वर्तमान में सक्षम का परिवार सतपुली में रहता है। देहरादून में पासिंग आउट परेड की गई। पासिंग आउट परेड में सतपुली के सक्षम भी लेफ्टिनेंट बनें। सक्षम को भारतीय सेना में जम्मू कश्मीर राइफल्स-19 में लेफ्टिनेंट बनाया गया है। लेफ्टिनेंट सक्षम रावत मूल रूप से विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम दिवई के रहने वाले हैं। सक्षम के पिता अशोक कुमार रावत और माता सुमन रावत सरकारी विद्यालय में शिक्षक है। सक्षम रावत ने अपनी प्राथमिक शिक्षा ग्रीन पब्लिक स्कूल सतपुली से प्राप्त की। जिसके बाद कक्षा छह से आठवीं कक्षा तक नवोदय विद्यालय से शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कक्षा नवीं से बारहवीं तक की शिक्षा सैनिक स्कूल घोड़ाखाल से प्राप्त की। 2021 में उन्होंने एनडीए में सफलता प्राप्त की। कड़ी मेहनत के बाद सक्षम देहरादून आईएमए पासिंग आउट परेड में सैन्य अफसर बनें। सक्षम रावत के लेफ्टिनेंट बनने से नयारघाटी सतपुली सहित विकासखंड कल्जीखाल में खुशी की लहर है। सक्षम के पिता अशोक कुमार रावत और माता सुमन रावत का कहना है कि हमें अपने बेटे पर गर्व है। कहा कि देश सेवा सबसे बड़ी सेवा हैं। सक्षम ने सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में शिक्षा प्राप्त करने के दौरान 2021 में पहले ही अटेम्प्ट के दौरान एनडीए में सफलता प्राप्त की। जिसके बाद कड़ी मेहनत के बाद शनिवार को देहरादून आईएमए पासिंग आउट परेड में सैन्य अफसर बनें। सक्षम रावत के लेफ्टिनेंट बनने से नयारघाटी सतपुली सहित विकासखंड कल्जीखाल में खुशी की लहर है।

घराट पुल पर मारपीट करने वाले बदमाश गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ध्रुवपुर पुल पर एक युवक के साथ मारपीट करने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले से संबंधित एक वीडियों इंटरनेट पर वायरल हो रहा था। जिसके बाद पुलिस हरकत में आई। पिछले दो दिन से इंटनेट पर एक वीडियों वायरल हो रहा था। जिसमें कुछ युवक एक युवक से पुल पर मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए चारों आरोपितों को गिरप्तार कर दिया है। मारपीट की घटना की शिकायत पीड़ित युवक की माता संगीता चौधरी ने कोतवाली में दर्ज करवाई थी। संगीता चौधरी ने शिकायत दर्ज करवाते हुए कहा कि आयुष भट्ट, आयुष रावत, आयुष बिष्ट, व शुभम डोबरियाल ने उसके पुत्र आयुष चौधरी की मोटर साइकिल की चाबी से वार कर उसके पुत्र को घायल कर दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि चारों आरोपितों को उनके घरों से गिरफ्तार कर दिया है। जिन्हें न्यायालय में पेश कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। कहा कि चारों युवकों के आपराधिक इतिहास की जानकारी भी ली जा रही है।

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी युवक

अफसर पात्र को सरकारी योजना का लाभ दें

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड पौड़ी के ग्राम भिमली तल्ली में पुराहन वेलफेयर सोसाइटी नई दिल्ली द्वारा आयोजित बहुदेशीय शिविर में ग्रामीणों को सरकार की ओर से चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

शनिवार को आयोजित शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी ने किया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, पशु पालन विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि सभी लोगों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को हर पात्र को सरकारी योजना का लाभ देने के निर्देश दिए।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 12 लोगों ने किया रक्तदान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को जिला अस्पताल पौड़ी में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में 'रक्त दें, आशा दें: साथ मिलकर बचाएं जीवन थीम के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 25 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 12 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध ने रक्तदान करने आये लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

शनिवार को जिला अस्पताल के ब्लड बैंक परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध ने किया। उन्होंने स्वयं रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया और युवाओं को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा रक्तदान एक महान मानव सेवा है, जो जीवन को बचाने का अवसर देती है। हर सक्षम व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए, जिससे समय पर जरूरतमंदों की मदद की जा सके। रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव केशर सिंह असवाल ने बताया कि सोसाइटी द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिससे लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलायी जा सके। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सोसायटी का उद्देश्य है कि हर नागरिक रक्तदान को एक जिम्मेदारी के रूप में अपनाएं। इस पहल से न केवल जानें बचायी जा सकती हैं, बल्कि एक संवेदनशील समाज का निर्माण भी संभव है। इस मौके पर सीएमएस डा. एलडी सेमवाल, डा. विकास सरनालिया, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी भगवान गुसांई, लैब टेक्नीशियन बीएस नेगी, रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य प्रदीप रावत, दीपक खनसूली, मदन मोहन नौड़ियाल आदि शामिल रहे।

विक्रम अध्यक्ष और शंकर महामंत्री बनें

रुद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग में कार्यरत राजकीय प्राथमिक, जूनियर, माध्यमिक, मिस्ट्रियल एसोसिएशन एवं चतुर्थ श्रेणी सहित समस्त मान्यता प्राप्त सेवा संगठनों की संयुक्त बैठक प्राथमिक शिक्षक संघ भवन अगस्त्यमुनि में आयोजित की गई जिसमें सभी संगठनों की सहभागिता के साथ नई महासंघ कार्यकारिणी, शिक्षक कार्मिक महासंघ जनपद रुद्रप्रयाग का विधिवत गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से शिव सिंह पंवार को संरक्षक, विक्रम सिंह झिक्वाण को महासंघ का अध्यक्ष व शंकर भट्ट को महासंघ का महामंत्री मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों में राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आलोक रौथाण, देवी प्रसाद गोस्वामी, माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुखदेव सिंह रावत, अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष बलवीर सिंह रौथाण को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं प्राथमिक शिक्षक संघ के मंत्री दिनेश भट्ट, महेंद्र चौहान, लखपत सिंह लिंगवाल, कीरथ सिंह नेगी, वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल, बिजेंद्र कुमार भट्ट को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। जबकि मनोज रौथाण को मीडिया प्रभारी, प्रेम सिंह राणा को कोषाध्यक्ष सुंदर लाल आर्य, हरीश गिरी व कैलाश चमोला को सलाहकार समिति में रखा गया है। कार्यकारिणी गठन के बाद नवगठित महासंघ ने अपने उद्देश्यों और आगामी कार्ययोजनाओं की घोषणा की। महासंघ का प्रमुख उद्देश्य आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समस्त शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग से जुड़े कार्मिकों के हितों की रक्षा करना रहेगा।

नगर निगम ने डेंगू नियंत्रण को लेकर शुरू की फॉगिंग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर ने डेंगू नियंत्रण के लिए फॉगिंग शुरू कर दी है। निगम द्वारा फॉगिंग के साथ निगम क्षेत्र में एंटी-लार्वा का छिड़काव भी किया जा रहा है। नगर निगम स्वास्थ्य निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि यह अभियान मेयर और नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में श्रीनगर के विभिन्न वार्डों में चलाया जा रहा है, जिसमें फॉगिंग के साथ-साथ एंटी-लार्वा का छिड़काव भी किया जा रहा है, ताकि मच्छरों के लार्वा को पनपने से रोका जा सके। पंवार ने बताया कि श्रीनगर के हर वार्ड में डेंगू नियंत्रण को लेकर जागरूकता व फॉगिंग की जाएगी। नगर निगम महापौर आरती भंडारी ने बताया कि डेंगू नियंत्रण को लेकर मैलाथीन पाउडर का छिड़काव और फॉगिंग हर वार्ड में किया जा रहा है। भंडारी ने सभी लोगों से अपने घर के आसपास पानी जमा न होने व साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखने की नगरवासियों से अपील की। (एजेंसी)

युवाओं को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण की एंटी ड्रग सेल द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत ग्राम ब्यासी में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कर युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया, ताकि हमारी युवा पीढ़ी नशा से दूर रह सकें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ग्राम ब्यासी के वरिष्ठ समाज सेवक गौर सिंह ने कहा कि वर्तमान युवा पीढ़ी को नशे से बचकर रहना होगा तभी वह अपने भविष्य को बेहतर बना सकते है। कहा कि नशा का सेवन करने वालों को उसकी लत से बाहर निकालने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। युवाओं को इस दलदल में फंसने से बचाने में समाज की भागीदारी बहुत जरूरी है। कहा कि अभिभावक अपने बच्चों की हर गतिविधि के ऊपर नजर रखें। अगर बच्चा गलत रास्ते पर चल रहा है तो उसे उससे बाहर निकलने के लिए कार्य करे। इस मौके पर राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विकास प्रताप सिंह ने बताया कि नशे की तस्करी करने वालों की जानकारी हेल्पलाइन नंबर 1933 पर दे सकते है। जानकारी देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। एंटी ड्रग सेल के नोडल अधिकारी डॉ. विवेक रावत ने कहा कि हमें इसे एक मिशन के रूप में देखना है, जिससे उत्तराखण्ड को नशे से दूर रखा जा सके। इस मौके पर संजना, रविन्द्र सिंह, रमेश सिंह आदि मौजूद थे।

पीएमजेजेबीवाई के लाभार्थी को दो लाख की धनराशि दी

पिथौरागढ़। क्षेत्र के चमडुंगरी व सतगढ़ रहने वाले खाताधारक कविराज सामन्त एवं गीता कापड़ी की मृत्यु के उपरान्त उनके नामिनी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा का लाभ मिला है। एसबीआई कनालीछीना के ब्रांच मैनेजर आनन्द सिंह बिष्ट ने बताया कि उन दोनों खाताधारकों ने पीएमजेजेबीवाई के तहत अपना बीमा कराया था। उनकी मृत्यु के उपरान्त ब्रांच मैनेजर बिष्ट ने नामिनी क्रमशः मिलाप सिंह सामन्त व सावित्री देवी के खातों में दो लाख की धनराशि हस्तांतरित की है। ब्रांच मैनेजर ने अन्य लोगों से भी इस योजना से जुड़ने की अपील की है।

एनसीसी अधिकारी कोहली चीफ ऑफिसर पद पर पदोन्नत

पिथौरागढ़। 80वीं उत्तराखंड वाहिनी के एनसीसी अधिकारी बीआर कोहली पदोन्नति के बाद चीफ ऑफिसर बन गए हैं। शनिवार को मेजर जरनल रोहन आनन्द, सेना मेडल व बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल बीएस तड़ागी ने पिपिंग सेरेमनी आयोजित कर नए रैंक लगाए। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि कोहली बटालियन के श्रेष्ठ एनसीसी अधिकारियों में आते हैं। कहा कि बटालियन की एनसीसी को अपने कार्यों से नई उंचाइयां दी है।

गैरसैंण पंचायत चुनाव की सीटों पर 19 आपत्तियां दर्ज

चमोली : एडीओ पंचायत गैरसैंण के कार्यालय में शनिवार को ब्लॉक प्रमुख, जिपंस, क्षेत्र पंचायत एवं ग्राम प्रधान की सीटों पर परिवर्तन में लिए कुल 19 फरियादियों ने आपत्ति दर्ज कराई। एडीओ पंचायत रघुवर लाल बताया कि गैरसैंण ब्लॉक प्रमुख पद आरक्षित होने पर निर्वतमान प्रधान संघ के अध्यक्ष पान सिंह नेगी ने आपत्ति जताते हुए कहा कि वर्ष 2008 से यहां लगातार प्रमुख का पद आरक्षित हो रहा है, जिससे अन्य जनप्रतिनिधियों को मौका नही मिल रहा है। कहा कि यदि प्रमुख की सीट अनारक्षित न हुई तो वह कोर्ट का सहारा लेने को मजबूर होंगे। बता दें कि विकासखंड में वर्तमान में प्रमुख का पद महिला के लिए आरक्षित हुआ है।

केदारनाथ यात्रा में पुलिस के कार्यों की यात्री कर रहे सराहना

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ यात्रा में पुलिस यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। चार थार सहित कुल 12 वाहनों के शीशों पर लगाई काली फिल्म उतरवा कर वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की सुसंगत धाराओं में चालानी कार्यवाही की गई। पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे के निर्देशन में जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा रही है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने केदारनाथ पैदल मार्ग में परिजनों से बिछड़ी बुजुर्ग दादी को पोती से मिलवाया। जिसके बाद दादी पोती से मिलकर भावुक हो गई। वहीं पुलिस की सूझबूझ से परिजनों से बिछड़ी बुजुर्ग श्रद्धालु को परिजनों से मिलवाया। कटक निवासी वृद्ध दादी लक्ष्मी साहू केदारनाथ जाते समय अपने परिजनों से बिछड़ गई थी। दादी ने अपनी परेशानी केदारनाथ में ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवानों को बताई। पुलिस ने आपसी तालमेल व अनाउंसमेंट के माध्यम से दादी को उनकी पोती स्मिता साहू से मिलवाया। अपनी पोती से मिलकर बुजुर्ग दादी काफी भावुक हो गई थी। जबकि जिला भोजपुर, बिहार निवासी फुलझाड़ी देवी अपने परिजनों के साथ केदारनाथ यात्रा पर आई थी।

संक्षिप्त समाचार

बस्ती बचाओ आंदोलन की सभा 16 को

देहरादून। बस्ती बचाओ आंदोलन की ओर से 16 जून को प्रेस क्लब में सभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें एलिवेटेड रोड परियोजना को रद कर बस्तियों को मालिकाना हक दिलवाने के लिए रणनीति तय की जाएगी। आंदोलन के संयोजक अनंत आकाश ने बताया कि सभा में मुख्य वक्ता मजदूर एवं किसान नेता अखिल भारतीय किसान सभा के महामंत्री बीजू कृष्णन रहेंगे। कहा कि बस्तियों की हक की लड़ाई को और तेज किया जाएगा, किसी भी सूरत में बस्ती वालों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

खलंगा पहुंची एमडीडीए की टीम

देहरादून। खलंगा में वैदिक साधना आश्रम तपोवन और सुदर्शन वाटिका के मध्य अवैध प्लाटिंग की सूचना पर एमडीडीए की टीम खलंगा पहुंची। स्थलीय निरीक्षण में पाया गया कि उक्त स्थल पर किसी प्रकार की प्लॉटिंग का कार्य नही किया जा रहा है। गेट लगाकर लोहे के एंगल खड़े किए गए हैं, इसकी सूचना राजस्व और वन विभाग के संबंधित अधिकारियों को दी गई। यहां अब वन विभाग और राजस्व विभाग की ओर से संयुक्त निरीक्षण किया जाना है।

उधार के पैसे मांगने पर रिश्तेदार ने धमकाया

काशीपुर। गांव नंदपुर नरक टोपा निवासी ताहिर हुसैन पुत्र अल्ताफ हुसैन ने शनिवार को कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसने वर्ष 2022 में अपने रिश्तेदार को 2,49000 उधार दिए थे। पीड़ित ने बताया कि उसने जब अपने रिश्तेदार से पैसे मांगे तो उसने इनकार कर दिया। पीड़ित ने बताया कि जब उसने पुलिस को तहरीर दी तो आरोपी ने उसके साथ गाली गलोच शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने बताया कि मामले में जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सभासदों ने ईओ को सौंपा ज्ञापन

बागेश्वर। नगर पंचायत के सभासद अपनी ही पंचायत के विरुद्ध मुखर हो गए हैं। सभासदों ने बोर्ड की बैठक समय पर न कराने, बिना सूचना दिए विकास कार्य करने और बहुउद्देशीय कर्मचारियों को हटाने आदि आरोप लगाते हुए लगाते हुए नपं घेराव की चेतावनी दी है। अधिशासी अधिकारी अनुज कुमार को सौंपे ज्ञापन में राम मंदिर दर्शानी वार्ड के सभासद अंकित जोशी, गढ़सेर वार्ड के सभासद प्रदीप गुरुरानी, भकुनखोला वार्ड के सभासद ललित प्रसाद, स्याल्दे वार्ड की सभासद मोनिका वर्मा ने कहा है कि बोर्ड की बैठक समय पर नहीं हो रही है, जिससे विकास कार्य बाधित हो रहे हैं। जो विकास कार्य हो भी रहे हैं, उन्हें बिना सूचना दिए व भरोसे में लिए किए जा रहे हैं। सभासदों ने शीघ्र बोर्ड की बैठक बुलाने और कर्मचारियों की नियुक्ति करने की भी मांग की है।

25 दिवसीय डिजाइन प्रशिक्षण सम्पन्न

बागेश्वर। जिला पंचायत परिसर में 25 दिवसीय डिजाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षण के माध्यम से 30 महिलाओं को आधुनिक डिज़ाइन तकनीकों की जानकारी दी गई, जिससे वे पारंपरिक हस्तशिल्प को बाजार की मांग के अनुरूप विकसित कर सकें। इस दौरान प्रत्येक प्रतिभागी महिला को प्रतिदिन 300 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। प्रशिक्षण का नेतृत्व मास्टर ट्रेनर कंचन उपाध्याय तथा बनारस से आई डिज़ाइन विशेषज्ञ सावित्री पटेल ने किया।

बेहड़ ने किया 2.67 करोड़ की 5 सड़कों का लोकार्पण व शिलान्यास

रुद्रपुर। विधायक तिलक राज बेहड़ ने ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य योजना के अंतर्गत 2.67 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 5 बड़ी सड़कों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। बेहड़ ने कहा कि किच्छा विधानसभा में चौतरफा विकास कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बेहड़ फूलमालाओं से स्वागत किया। शनिवार को बेहड़ ने ग्राम शिमला पिस्तौर में 66.08 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 975 मी. सीमेंट कंक्रीट ब्लाक के एजटूएज मार्ग, ग्राम मिलक में 48.03 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सीमेंट कंक्रीट ब्लाक के एजटूएज मार्ग, ग्राम अंजनिया में 48.01 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 700 मी. पीसी नवनिर्माण मार्ग और पुलभट्टा से सतुईया तक 62.33 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 1.68 किमी पुनः निर्माण मार्ग का नारियल फोड़ का शिलान्यास किया।

दून में आपात स्थिति में अलर्ट करेगा एडवांस सायरन सिस्टम

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल द्वारा आपदा एवं आपातकाल स्थिति से जनमानस की सुरक्षा एवं अलर्ट करने के लिए तैयारी एडवांस स्टेज पर हैं अब देहरादून जिला आधुनिक लांग रेंज इमरजेंसी सायरन से लेस हो रहा है। शुरूआती चरण में जिले में 16 किमी एवं 08 किमी रेंज तक सुनवाई देने वाले एडवांस टैक्नॉलाजी वाले 15 सायरन सभी प्रमुख स्थानों पर लगाए जा रहे हैं जिनका आज आपदा कन्ट्रोलरूम में परीक्षण किया गया है। जिलें में पहली बार आर्मी, पैरामिलट्री, एयरपोर्ट, बड़े अस्पताल आदि वायटल इन्सटॉलेशन यूनिट पर जिलाधिकारी की पहल पर रेपिड कम्यूनिकेशन सिस्टम भी लगाये जा रहे हैं, इससे बाहरी आक्रमण एवं अन्य अपातकालीन स्थिति में एक ही समय पर सभी संस्थानों से एक साथ कम्यूनिकेशन हो सकेगा। युद्व एवं हवाई हमले जैसी हालात में आम नागरिकों को खतरे की चेतावनी देने और सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए राजधानी देहरादून के सभी प्रमुख स्थानों पर सायरन लगाने का काम शुरू हो गया है। जिलाधिकारी सविन बंसल की मौजूदगी में शनिवार को जिला आपतकालीन परिचालन केंद्र में नए खरीदे गए आधुनिक सायरन का परीक्षण किया गया है। आधुनिक लांग रेज सायरन शुरूआती चरण में घनी आबादी वाले 15 स्थानों यथा थानों पुलिस चौकी में स्थापित किये जा रहे हैं। कई वर्षों बाद डीएम के आह्वान पर जिले में इमरजेंसी कम्यूनिकेशनस; पब्लिक वार्निंग अलर्ट सिस्टम उच्चीकृत किये जा रहे हैं। जिलाधिकारी के निर्देशों पर पहले चरण में देहरादून सिटी के घनी आबादी वाले पुलिस थाना–चौकियों में 08 किलोमीटर और 16 किलोमीटर रेंज के 15 सायरन लगाए जा रहे है। इनका ट्रिगर संबंधित थाना–चौकियों सहित जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र में भी रहेगा। शुरूआती चरण में 16 किमी रेंज के 09 तथा 08 किमी रेंज के 09 आधुनिक सायरन स्थापित किये जा रहे हैं, जिससे पूरी देहरादून सिटी में एक साथ सायरन की आवाज सुनाई दे सकेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सायरन लगाने का मकसद आपात स्थिति में आम नागरिकों से तुंरत जुडकर उनको खतरे का चेतावनी संदेश पहुंचाना है। ताकि सायरन की आवाज सुनते ही लोग खुले स्थानों से हटकर सुरक्षित स्थानों पर जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि दूसरे चरण में जनपद के ऋषिकेश, विकासनगर, चकराता एवं अन्य प्रमुख शहरों में भी चेतावनी सायरन स्थापित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि सिटी में 1970 दशक के पुराने सायरन लगे थे। देहरादून में उस समय की आबादी के हिसाब से सायरन लगाए गए थे। वर्तमान में देहरादून की घनी आबादी में सभी स्थानों तक सायरन की आवाज पहुंचाने के लिए नए आधुनिक सायरनों की खरीद कर इनका परीक्षण कर लिया गया है।

अघोषित बिजली कटौती के विरोध में व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

हरिद्वार। न्यू हरिद्वार चंद्राचार्य चौक व्यापार मंडल के व्यापारियों ने अघोषित बिजली कटौती के विरोध में शनिवार को नारेबाजी कर रोष जताया। कहा कि समस्या का समाधान नहीं होने पर ऊर्जा निगम के कार्यालय पर तालाबंदी कर देहरादून में बैठे अधिकारियों के पुतले फूंके जाएंगे। मृदुल कौशिक ने कहा कि ऊर्जा प्रदेश होने के बावजूद बिजली कटौती किया जाना निंदनीय है। इससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अघोषित बिजली कटौती से कई हिस्सों में व्यापारी और आम लोग परेशान हैं। गर्मी और उमस के मौसम में बिजली की अनियमित आपूर्ति से व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। विशेष रूप से वेल्डिंग, फर्नीचर और आरा मशीन जैसे बिजली पर निर्भर व्यवसायियों को भारी नुकसान हो रहा है।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में काम शून्य, सरकार संवेदनहीन: ऐठानी

बागेश्वर। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी ने प्रदेश सरकार पर आपदा प्रबंधन और स्थानीय समस्याओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और उसके प्रतिनिधि आपदा से प्रभावित क्षेत्रों को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिससे लोगों की जान–माल की सुरक्षा पर संकट मंडरा रहा है।

अपने आवास में आयोजित पत्रकार वार्ता में ऐठानी ने कहा कि वर्षों पूर्व आई आपदा से प्रभावित क्षेत्रों में आज तक कोई ठोस कार्य नहीं किया गया। खड़िया खदानों में बने गड्ढे आज भी वैसे ही पड़े हैं, जो बड़ी आपदा को खुला निमंत्रण दे रहे हैं। स्थानीय ग्रामीण इन खतरों से भयभीत और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं, लेकिन सरकार इस ओर बिल्कुल भी संवेदनशील नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि जनपद बागेश्वर में खड़िया ही एकमात्र रोजगार का मुख्य साधन था, लेकिन इसके बंद हो जाने से क्षेत्र के सैकड़ों लोग बेरोजगार हो गए हैं। खेत मालिक, ट्रक और डंपर चालक, जेसीबी मशीन मालिक सभी आजीविका के अभाव में भूखमरी की कगार पर पहुंच चुके हैं। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जनपद के एक विधायक स्वयं कभी माइन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे हैं, मगर आज इस गंभीर संकट पर उनकी चुप्पी सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनपद के भीतर संचालित स्टोन क्रेशरों को बंद करवा दिया गया है, जबकि सीमावर्ती क्षेत्रों में झोपड़ी जैसे ढांचों में अवैध ऋशर खुलेआम संचालित हो रहे हैं, जिससे शासन–प्रशासन की दोहरी नीति उजागर होती है। बीते चार महीनों से करीब 70 डंपरों को पुलिस द्वारा सीज कर दिया गया है, जिससे न केवल ड्राइवर और मालिक बेरोजगार हुए हैं, बल्कि उन्हें भारी आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। ऐठानी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि शीघ्र ही आपदा प्रभावित क्षेत्रों में ठोस कार्रवाई नहीं होती और रोजगार के साधनों को पुनः चालू नहीं किया गया, तो वह जन आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने चेताया कि जनता का सब्र टूट चुका है और अब संघर्ष का रास्ता ही शेष है।

सेना के जवान की पिटाई पर विधायक ने जताया कड़ा ऐतराज

विकासनगर। तहसील त्यूणी के ग्राम रायगी निवासी भारतीय सेना में कार्यरत जवान दीपक थापा को त्यूणी पुलिस द्वारा बेवजह बेरहमी से मारपीट करने के विरोध में क्षेत्रीय विधायक ने मुख्यमंत्री व उच्चाधिकारियों को पत्र प्रेषित कर मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। अन्यथा उन्होंने आगामी 18 जून को थाने का घेराव करने की चेतावनी दी है। क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव गृह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून को पत्र भेजकर बताया कि उनके गृह क्षेत्र त्यूणी के रायगी गांव निवासी दीपक थापा सेना में तैनात हैं व वर्तमान में अवकाश पर घर आए हुए हैं। जवान दीपक को त्यूणी पुलिस 12 जून की मध्य रात्रि झूठे आरोप में उठाकर थाने ले गई।

नौगांव के धारी कफनौल क्षेत्र में गहराया पेयजल संकट

उत्तरकाशी। जल जीवन मिशन के तहत बनी पेयजल योजनाएं लोगों के काम नहीं आ रही है। बढ़ती गर्मी में लोगों पीने का पानी भी नसीब नहीं हो पा रहा है। विकासखण्ड नौगांव के धारी मुंगरसन्ति क्षेत्र में आधा दर्जन गांव पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। नौगांव के पमाड़ी, बजलाड़ी, नरयूंका, मांडड़गांव, खाबला, कफनौल, थोलिंका सहित आधा दर्जन से अधिक गांव में पेयजल संकट इस कदर गहरा गया है कि लोगों को पीने के पानी के लिये घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। जल संस्थान पानी टैंकरों से 30 किमी दूर बनींगाड़ गंगनानी धारा से पंहुचा रहा है, जो कि पर्याप्त नहीं है। इतने गांवों के लिये ऐसे में अब लोगों के सामने पेयजल संकट तेजी से गहरा रहा है। मामले पर रमेश इंदवाण, जयेंद्र सिंह राणा, जयवीर सिंह, सकलचंद राणा बतातें हैं कि पेटारखत के पांच गांव में पेयज संकट गहरा गया है और पानी की आपूर्ति टैंकरों से हो रही है जो पर्याप्त नहीं है। उधर, यमुना नदी से देवराणा घाटी के लिये बन रही पंपिंग योजना पर बहुत धीमी गति से निर्माण कार्य चल रहा है, जिससे दिनों–दिन पेयजल संकट गहरा रहा है। ऐसे में अब प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों की योजनाओं से पानी भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। पेयजल आपूर्ति नहीं होने से विभाग विभाग के खिलाफ लोगों का भारी आक्रोश है। इनका कहना है.. पेयजल आपूर्ति को लेकर सहायक अभियंता हरीश कुड़ियाल बताते हैं कि बजलाड़ी, पमाड़ी, नरयूंका मांडड़गांव में पानी की किल्लत है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर मेडिकल कॉलेज ने चलाया जनजागरूकता अभियान

अल्मोड़ा। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ सीपी भैसोड़ा के निर्देशन में राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा के रक्त केंद्र की ओर से कल्याणिका गुरुकुल विद्यालय में रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को रक्तदान के महत्व से अवगत कराना था। इस अवसर पर 93 विद्यार्थियों का हीमोग्लोबिन और 80 विद्यार्थियों का ब्लड ग्रुप जांचा गया। रक्त केंद्र के प्रभारी पैथोलॉजिस्ट आशीष जैन ने विद्यार्थियों को रक्तदान के लाभों और उससे जुड़ी भ्रांतियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानव जीवन की रक्षा का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान से जुड़े विषयों पर एक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। हेम बहुगुणा ने भारतीय संस्कृति में दान की परंपरा को आधुनिक संदर्भ में रक्तदान से जोड़ते हुए इसे सेवा का सर्वोत्तम रूप बताया। उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य विवेक स्वरूप का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में धर्मार्थ चिकित्सालय से शशांक उनियाल और मनीष तिवारी, मेडिकल कॉलेज की नर्सिंग अधिकारी तनुजा कन्याल, लैब टेक्नीशियन भाष्कर पांडेय, विद्यालय के आचार्य नीरपाल सिंह तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मित्र प्रियांका और इंद्रलाल ने सहयोग प्रदान किया। इधर, बेस चिकित्सालय अल्मोड़ा में आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों और युवा नेता मोहित टम्टा के प्रयासों से कुल 11 लोगों ने रक्तदान किया।

अधिकारी–कर्मचारी से लेकर एनसीसी कैडेट्स हैं देश को समर्पित: रोहन आनन्द

पिथौरागढ़। उत्तराखंड एनसीसी निदेशालय के अपर महानिदेशक मेजर जनरल रोहन आनन्द, सेना मेडल ने 80वी उत्तराखंड वाहिनी का निरीक्षण किया। शनिवार को अपर महानिदेशक मेजर जनरल के यहां पहुंचने पर ग्रुप कमांडर नैनीताल कमोडोर बीआर सिंह, कमांडिंग ऑफिसर बीएस तड़ागी ने उनका स्वागत किया। कैडट्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। बाद में अपर महानिदेशक मेजर जनरल ने बटालियन के प्रशिक्षण वर्ष 2024–25 की समस्त गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण करने के साथ ही बीते दिनों आयोजित अन्तर्निदेशालयी स्पोर्ट्स शूटिंग चैंपियनशिप के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि बटालियन की गतिविधियों से जाहिर है कि यहां के सीओ, अधिकारी, कर्मचारी व कैडट्स एनसीसी के प्रति समर्पित और संजीदा है। एनसीसी अधिकारी बीआर कोहली ने बताया कि बटालियन के निरीक्षण से पूर्व अपर महानिदेशक मेजर जनरल ने अखिल भारतीय स्तर की पर्वतारोहण शिविर क्षेत्र, फायरिंग रेंज का जायजा लिया और कहा कि इतनी बेहतरीन सुविधाएं उत्तराखंड के अन्य किसी बटालियन के पास नही हैं।

राशिसं 16 जून को निदेशालय में देगा धरना

रुद्रप्रयाग : राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर 16 जून को निदेशालय में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शनिवार को जनपद कार्यकारिणी के जनपदीय अध्यक्ष आलोक रौथाण की अध्यक्षता में एक गूगल मीट आयोजित की गई। बैठक में पदाधिकारियों ने एक स्वर में पदोन्नति की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करने का प्रांतीय नेतृत्व के निर्णय का स्वागत किया। गूगल बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा विभाग ही एक ऐसा विभाग जिसमें वर्षों से पदोन्नति न होने का दंश शिक्षक झेल रहे है। प्रदेश में शिक्षकों में कुंठा का माहौल बना हुआ है। जिसका उदाहरण बीते दिनों में चमोली में देखने को मिला है। बैठक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए एक ठोस रणनीति बनायी गई, जिसमें जनपद तीनों ब्लाकों के पूर्व व वर्तमान निर्वाचित व मनोनीत पदाधिकारियों की शत प्रतिशत उपस्थिति तय की गई। तीनों ब्लॉक अध्यक्ष व मंत्री अपने अपने विद्यालय शाखाओं से अधिक से अधिक शिक्षक शिक्षिकाओं की भागीदारी करवाएंगे। जनपदीय अध्यक्ष आलोक रौथाण ने कहा कि 16 जून को जनपद के सभी शिक्षक एक साथ जनपद के बैनर तले धरना स्थल पर प्रतिभाग करेंगे। बैठक का संचालन जिला मंत्री शंकर भट्ट और संयुक्त मंत्री दीपक नेगी ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में जनपदीय संरक्षक नरेश कुमार भट्ट, ब्लॉक अध्यक्ष अगस्त्यमुनि अंकित रौथाण, मंत्री संदीप भट्ट, ब्लॉक अध्यक्ष जखोली, प्रवीण घिल्डियाल, मंत्री महिपाल कोठियाल, जिला प्रवक्ता अजय भट्ट ने भी अपने विचार रखे।

राज्य आंदोलनकारियों ने परिसीमन के मुद्दे पर शुरू की गोलबंदी

देहरादून।उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने प्रस्तावित परिसीमन के मुद्दे पर गोलबंदी शुरू कर दी है। इसे लेकर शनिवार को शहीद स्मारक में बैठक हुई। इसमें आंदोलनकारियों ने हिमालयी राज्यों की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए जनसंख्या के बजाए क्षेत्रफल के हिसाब से परिसीमन करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। वर्ष 2005 में भी इसी तरह से परिसीमन के मुद्दे पर उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने आंदोलन किया था और तब वह राज्य के राजनैतिक प्रतिनिधित्व में हिस्सेदारी बचाने में कामयाब रहा था। फिर से परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगे राज्यों और विशेषकर हिमालयी राज्यों के राजनैतिक प्रतिनिधित्व को बचाने के लिए भौगोलिक आधार पर परिसीमन करना चाहिए। वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी रविंद्र जुगरान और प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों के प्रतिनिधित्व बचाने के लिए लड़ाई लड़नी होगी। इस मौके पर सुलोचना भट्ट, विजयलक्ष्मी गुसांई, द्वारिका बिष्ट, यूकेडी के शांति भट्ट, डीएस गुसाईं, गणेश डंगवाल ने मांग की कि इस मामले में हमारे विधायकों को विधानसभा में सामूहिक चर्चा करनी चाहिए। बैठक में मंच के अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी और गौरव सेनानी संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष गौरव राणा, मंच के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती ने मुख्यमंत्री से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। संचालन पूरण सिंह लिंगवाल ने किया। बैठक में केशव उनियाल, शान्ति भट्ट, संदीप चमोली, प्रमोद काला , जितेन्द्र अंथवाल, शूरवीर भण्डारी, रुकम सिंह पोखरियाल, संदीप खत्री, दीपक कैंतुरा, युद्धवीर सिंह चौहान, गम्भीर मेवाड़, महेन्द्र रावत, सुरेश नेगी, विजय बलूनी, तारा पाण्डे, देवेश्वरी नेगी, सुमन नैथानी, साबी नेगी, पुष्पा सकलानी, सुशीला चन्दोला, आशा नौटियाल, संगीता रावत, देवेश्वरी गुसांई, तारा रावत, माया बडोनी, सरोज कण्डवाल, यशोदा ममगांई, शान्ति कैन्तुरा, पुष्पा नेगी, विमला रावत समेत अन्य ने भी विचार रखे।

घायल यात्री को किया एयरलिफ्ट

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ यात्रा पर आए एक यात्री की पैदल मार्ग में अचानक घोड़े से गिरकर घायल हो गया, जिसे एयरलिफ्ट करते हुए गुप्तकाशी अस्पताल भेजा गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह 4 बजे कानपुर यूपी निवासी ऋषिराज सिंह पुत्र रविराज भदौरिया घोड़े से केदारनाथ को रवाना हुए। कुबेर ग्लेशियर के पास वह घोड़े से गिरकर चोटिल हो गए। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ के जवानों द्वारा उन्हें रेस्क्यू करते हुए बड़ी लिंचौली लाया गया। यह यात्री पहले से ही दिक्कत में थे। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे डॉक्टर की सलाह पर बड़ी लिंचौली हेलीपैड से ट्रांस भारत हेली सेवा से एयरलिफ्ट करते हुए गुप्तकाशी लाया गया जहां अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। (एजेंसी)

संस्कृत ग्रामों में रामायण, गीता और वेदमंत्रों का उच्चारण सीखेंगे ग्रामीण

– मुख्यमंत्री पुष्कर धामी करेंगे इसी माह संस्कृत ग्रामों का शुभारंभ

देहरादून। उत्तराखंड के संस्कृत ग्रामों में ग्रामीणों को रामायण की चौपाई, गीता के श्लोक और वेदमंत्रों का उच्चारण संस्कृत में भी सिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी इसी माह संस्कृत ग्रामों का शुभारंभ करेंगे। उत्तराखंड में संस्कृत प्रदेश की द्वितीय राजभाषा है। राज्य सरकार ने शुरूआती चरण में 13 जिलों के 13 गांवों को संस्कृत ग्राम घोषित किया है। इन गांवों के ग्रामीणों को रोजमर्रा के आम बोलचाल के शब्दों को संस्कृत भाषा में सिखाया जाएगा। राज्य सरकार ने संस्कृत भाषा सिखाने के लिए प्रशिक्षकों की तैनाती कर दी है। इन प्रशिक्षकों का संस्कृति अकादमी हरिद्वार में प्रशिक्षण के बाद दिल्ली स्थित संस्कृत भारती संस्थान में 15 दिवसीय प्रशिक्षण का शनिवार को समापन हो चुका है। संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक गैरोला ने बताया कि सभी संस्कृत गांवों का नाम, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र के साथ ही जो भी सरकारी और अर्द्ध सरकारी प्रतिष्ठान होंगे, उनका नाम भी पट्टिका में संस्कृत में अंकित किया जाएगा। सभी गांवों में प्रशिक्षकों की तैनाती कर दी गई है, जो गांव के प्रत्येक ग्रामीण को आमबोल के शब्दों के साथ ही रामायण की चौपाई, गीता के श्लोक और वेदमंत्रों का उच्चारण संस्कृत में सिखाएंगे।

राज्य सरकार ने द्वितीय राजभाषा संस्कृत के प्रचार–प्रसार का निर्णय लिया है। हमारे दैनिक व्यवहार में संस्कृत का समावेश होना जरूरी है। इसी के तहत ग्रामीणों को संस्कृत भाषा के प्रति जागरूक किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी इसी माह संस्कृत गांवों का एक साथ शुभारंभ करेंगे। दीपक कुमार गैराला सचिव, संस्कृत शिक्षा।

योग पर आधारित विशेष कार्यक्रम का आयोजन

हरिद्वार। केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के देहरादून कार्यालय द्वारा आज हरिद्वार स्थित पतंजलि वेलनेस सेंटर में योग पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत योगगुरु स्वामी रामदेव जी महाराज के सान्निध्य में योग अभ्यास से हुई। उन्होंने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों और आगंतुकों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया तथा योग के वैज्ञानिक, मानसिक, और आध्यात्मिक लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर स्वामी रामदेव जी का स्वागत केंद्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारियों द्वारा पौधा भेंट कर किया गया। स्वामी रामदेव ने योग को भारत की ऋषि परंपरा की अनुपम देन बताते हुए कहा कि यह न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का साधन है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि आगामी 21 जून, जो कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है, को पूरे उत्साह के साथ मनाएं और बड़ी संख्या में योगाभ्यास में भाग लें। उन्होंने योग जागरूकता को बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की।उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व देशभर में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा जन–जागरूकता के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आम नागरिकों को योग के प्रति प्रेरित करना है ताकि वे अपने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बना सकें तथा एक स्वस्थ और समर्थ भारत के निर्माण में योगदान दे सकें।

कार्यक्रम के अंतर्गत हरिद्वार की पंजीकृत सांस्कृतिक संस्था 'श्रीमान्त शांति खिलेराम सांस्कृतिक कला विकास समिति' द्वारा योग पर आधारित रागिनी की प्रस्तुति दी गई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com